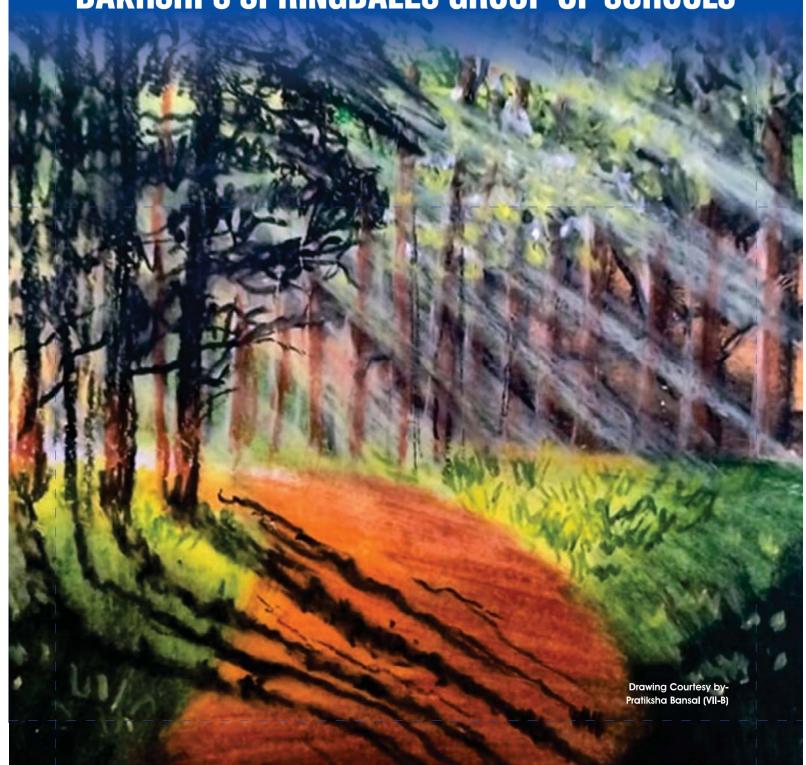


Insight 2022-23

Annual Volume

BAKHSHI'S SPRINGDALES GROUP OF SCHOOLS



BAKHSHI'S SPRINGDALES GROUP OF SCHOOLS









Bakhshi's Springdales Sr. Sec. School, Borkhera, Kota Ph.: 0744-2333941 E-mail: bsdsbr@gmail.com Bakhshi's Springdales Junior School, Civil Lines, Kota Ph.: 0744-2325146 E-mail: bakhshis.civillines@gmail.com

Bakhshi's Springdales School, Chhawani, Kota Ph.: 0744-2364191 E-mail:bakhshis.chhawani@gmail.com

Bakhshi's Upvan School, Vallabhbari, Kota Ph 0744-2390268 E-mail:upvankota@gmail.com

Govind Ram Memorial Educational Society, kota

<u>Insight</u> 2022-23

Editorial Dept.	Contents	Page No.
Editor:-	Brief Introduction of GRMES & Schools	1
Mr. Atal B. Sharma	2. A Tribute to Brigadier V.P. Bakhshi	2-3
(P.G.T. English)	3. Director's Message	4
	4. Preface	5
Co-Editors:-	5. From Principal's Desk	6
<u> </u>	6. Vice Principal's Note & Editorial Quote	7
1. Ms. Vandana Rana (Borkhera Br.)	7. Alumni Interview	8-9
2. Ms. Monika Malhotra (Chhawani Br.)	8. Teachers' Column	10-13
3. Ms Manju Rawal (Upvan Br.)	9. Students' Musings	14-28
4. Ms. Uzma Pasha (Civil Lines Br.)	10. National Festivals(Independence Day, Republic Day)	29-30
4. IVIS. OZITIA F ASITIA (CIVII LITIES BI.)	11. Inter-House Competitions	31-32
	12. Educational Tour	33-34
	13. Farewell (XII Class)	35-36
	14. Facilities & Infrastructure	37-38
<u>Visual Collection</u> :-	15. Bakhshiite Staff	39
AM Khuman Zaman	16. N.C.C.(Introduction & Achievements)	40-41
1. Mr. Khurram Zaman	17. Co-Curricular Activities	42-46
	18. Glimpses of Past Annual Function	47
	Civil Lines Branch	
	19. From Headmistress's Desk	48
Artwork collection :-	20. Teachers' Column	49-51
4 Mrs. Daggers de Caleir	21. Students' Creativity	52-53
1. Mrs. Deepmala Sahu	22. National Festivals	54
69/20	23. Co-Gurricular Activities	55-56
Innovations :-	24. Staff Photo (Civil Lines)	57
1. Mr. Abrar Hassan	<u>Chhawani Branch</u>	
	25. Headmistress's Note	58
	26. Teachers' Column	59
	27. Scholars' Ingenuity	60-63
	28. Co-Curricular Activities	64-65
	29. Staff Photo	66
	30. Sports Achievements	67
	<u>Upvan Branch</u>	68
		1

BAKHSHI'S SPRINGDALES IN PRINT MEDIA

कोटा बक्शीज स्प्रिंगडेल्स सीनियर सेकंडरी स्कल में स्वाधीनता दिवस पर हए रंगारंग कार्यक्रम हआ ध्वजारोहण

तेजपाल सिंह बग्गा शीज स्प्रिंगडेल्स सीनि

पांचवी बोर्ड परीक्षा में

वख्शीज जनियर स्कूल

सिविल लाइंस का 100

प्रतिशत परिणाम रहा।

विद्यालय के आठवीं

हुए शशक्त सैन्य बल की आवश्यकता का महत्व बताया स्कूल, बोरखेडा, तथा शिक्षकों को श्री कृष्ण के कोटा में 75वें स्वतंत्रता दिवस बताये हुए 5 गीता के उपदेशो समाहरोह का आयोजन को धारण करने की सलाह दी। कोविड महामारी के पोटोकॉल समाहरोह के अंत में विद्यालय को ध्यान में रखते हुए किया निदेशक द्वारा शिक्षकों को गया इस अवसर पर विवालय शिक्षक पर्म का पूर्ण हमानदारी निदेशक क्षेत्रासी विवालय करण ना मानदारी निदेशक क्षेत्रासी वेह तथा इस इसार विवालय प्रोगण में महामारी के लावचूर्ण समय में धावतर करण करण करण के प्रोग्न के साथ विवालियों को सुरुआत की विवालय के कुछ विवाल और तकिनकी क्षेत्रों, पिछकों द्वारा देशकार किया में हिस्सा मानमोहक प्रस्तुति दी गई। तेने हेतु प्रेरित करने का सुझा मानमोहक प्रस्तुति दी गई। तेने हेतु प्रेरित करने का सुझा दिश्यक व्यवस्थ एडमिरस विनेत बळाणी दिशा कार्यक्रम के अंत में इसार देशकार सोनिकों के परम वृक्षारोपण का कार्य किया गया। इस अवसर पर विद्यालय शिक्षक धर्म का पर्ण ईमानटारी



ने ए ग्रेड प्राप्त किया।

विद्यार्थियों को मिली ए ग्रेड

नवज्योति/कोटा आठवीं और पांचवी बोर्ड ररीक्षा में बख्शीज जुनियर स्कल सिविल लाइंस का शत प्रतिशत परिणाम रहा । विद्यालय के आठवीं कक्षा के 52 प्रतिशत विद्यार्थियों और पांचवी कक्षा के 87 प्रतिशत विद्यार्थियों



अंडर-14,19 टेबल टेनिस में बख्शीस रिप्रंगडेल्स को खिताब

कोटा | ६६वीं डिस्ट्रिक्ट टेबल टेनिस विद्यालय प्रतियोगिता में बस्क्रीस रिग्रंगडेल्स के अंडर-14 बॉयज एकल में भावेश ने प्रमाणी परक अंदर-१४



नडिकयों में प्रियांशी ने स्वर्ण पदक जीता। अंडर-17 बॉयज टीम ने कांस पदक जीता। अंडर-17 बॉयज एकल में लक्ष्य, अंडर-19 बॉयज टीम, अंडर-19 बॉयज एकल में जयेश, अंडर-19 लड़कियों की टीम और दिव्या ने स्वर्ण, मनस्वी अग्रवाल ने रजत जीता। लक्ष्य, राघव, दिव्या, मनस्वी, जयेश, दिव्यांश भावेश, प्रियांशी शर्मा, आदित्य, महेंद्र का स्कल स्टेट टीम में सिलेक्शन होने प प्रिंसिपल इरम कमर व डायरेक्टर उर्मिल बक्शी ने ख़ुशी जाहिर की।

इस्पायर अवॉर्ड के लिए जिला स्तर पर हुआ चयन

नवज्योति/कोटा बखरीज स्प्रिंग डेल्स ज्नियर स्कूल सिविल लंडंस की छात्राएं पूर्वा अग्रवाल और कपा शर्मा का इंस्पायर अवार्ड मनक 2021-22 के



किया गया है। इसके तहत विज्ञान पोजेक्ट बनाने के लिए 10000 की राशि स्वीकत की गई है । अध्यापक प्रतीक राठौर ने व्यवाओं को इस कार्व के लिए प्रेरित किया । स्कूल की निर्देशिका उर्मिल बख्शी और प्रधानाचार्या सीमा मलिक ने दोनों छात्राओं के राष्ट्रीय स्तर पर चवन होने की कामना की।कपा प्लांट बैंक के मॉडल पर कार्य करेंगी।

बख्शी स्प्रिंगडेल्स टेबल टेनिस अकादमी के बच्चों ने जीते पदक

नवज्योति/कोटा राजस्थान राज्य रैकिंग टेबल टेनिस

प्रतियोगिता जयपर में आयोजित हुई

प्रतियोगिता में

बख्शीज टेबल

टेनिस अकादमी

19 बॉयज में यथार्थ बरथुनिआ एवं लक्ष्य तोषनीवाल दोनों ने बॉज मैडल



कि U-13 गर्ल्स में प्रियांशी शर्मा ने गोल्ड U-13 बॉयज में भावेश पुण्या ने ब्रोंज, U-15 गर्ल्स में प्रियांशी शर्मा ने सिल्वर, U-15 बॉयज में लक्ष्य तोषनीवाल ने सिल्वर ।।-17 बॉयज में यथार्थ बरथुनिआ ने सिल्वर, U-

हासिल कर कोटा का मान बढाया स्कूल की प्रिंसिपल इरम कमर व स्कूल डायरेक्टर उर्मिल बक्शी ने बच्चो के उत्कृष्ट प्रदर्शन पर खुशी जाहिर करते हए उनके उज्जवल भविष्य की

बक्शी स्प्रिंगडेल्स टीटी अकादमी के बच्चों ने जीते 7 पदक

कोटा राजस्थान राज्य रैंकिंग टेबल टेनिस प्रतियोगिता में बक्शीज टेबल टेनिस अकादमी के बच्चों ने 7 मेडल अपने नाम किए। कोच अभिनव पंवार के अनसार अंडर-13 गर्ल्स में प्रियांशी ने सिल्वर, अंडर-15 गुर्ल्स में प्रियांश ने ब्रॉन्ज, अंडर-15 बॉयज में लक्ष्य ने गोल्ड, अंडर-17



बॉयज में यथार्थ ने गोल्ड, अंडर-17 बॉयज में लक्ष्य ने सिल्वर, अंडर-19 ॉयज में लक्ष्य ने सिल्वर, अंडर-19 गर्ल्स में प्रियांशी ने ब्रॉन्ज मेडल जीता है र्गिसपल इरम कमर व स्कल डायरेक्टर उर्मिल बखरी ने बच्चों को बधाई दी है।

बक्शीज स्कल बोरखेडा में मनाया योग दिवस

बक्शीज स्प्रिंगडेल्स के पूर्व छात्र संजय का राष्ट्रीय अंडर-21 में चयन

बख्शीज स्प्रिंगडेल्स की छात्रा का बेस्ट प्रदर्शन

कक्षा के विद्यार्थियों ने 60 प्रतिशत ए ग्रेड प्राप्त की।

कक्षा के 52 प्रतिशत विद्यार्थियों ने ए ग्रेड प्राप्त की। पांचवी कक्षा वे

87 प्रतिशत विद्यार्थियों ने ए ग्रेड प्राप्त की। बक्शी स्प्रिंगडेल्स विद्यालय

छावनी के 5वीं कक्षा के 90 प्रतिशत विद्यार्थियों ने ए ग्रेड तथा आठव

बरक्षीज ग्रुप ऑफ एजकेशन का परिणाम 100 % रहा



कोटा बख्शीज स्प्रिंगडेल्स सी. सै. स्कूल की छात्रा तनीषा मीप जिला स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन कर तृतीय स प्राप्त किया। इसके लिए छात्रा को प्रशस्ति पत्र व ट्रॉफी के साथ पुरस् किया। स्कल की निदेशिका उर्मिल बक्शी तथा प्रधानाध्यापिका इरम ने छात्रा तनीषा के उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

एनसीसी एयर विंग कैडेट्स ने आकाश में उड़ान भरी

नवज्योति/कोटा। बोरखेड़ा स्थित बख्शीज़ स्प्रिंगडेल्स सी. सै. स्कूल

कोटा के 7 राज एयर स्क्वाडून एन.सी.सी. कोटा के कैडेटस फ्लाइंग टेनिंग के दौरान आसमान में उड़ान भरी। कक्षा आठ से दस तक के छात्र यहां रन.सी.सी. कैडेटस हैं। उनके पर उड़ान भरना अद्भुत नजारा



रहा एवं यह प्रशिक्षण एयर फोर्स के प्रति उनकी रूचि को जाग्रत करता है प्रशिक्षण में विंग कमाण्डर अनिल कमार तिवारी द्वारा कैडेटस को माइक्रोलाइट र्यरक्राफ्ट द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। विद्यालय सी.टी.ओ. किरणपाल सिंह चाहर द्वारा कैडेटस को नैतिक साहस एवं एयरफोर्स के दायित्वों तथा प्रशिक्षण का पहत्व समदाया।

प्रतियोगिता में बख्शीज स्प्रींगडेल्स स्कूल प्रथम

नवज्योति/कोटा। कोटा सहोदय स्कूल कॉम्पलेक्स के तत्वावधान में वख्शीज स्प्रींगडेल्स सी. सै. स्कूल द्वारा इन्टर स्कुल क्विज कॉम्पीटीशन का आयोजन किया गया। बख्शीज स्प्रींगडेल्स सी.सै.स्कल की प्रधानाध्यापिका इरम

कमर ने बताया कि



प्रतियोगिता में कोटा शहर के 22 स्कूलों के छात्र/छात्राओं ने भाग लिया। इसमें से कुल चार टीमों ने क्वालिफाई राउण्ड को पास किया। प्रतियोगिता में बख्शीज स्प्रींगडेल्स सी. सै. स्कूल ने प्रथम स्थान तथा लोरेन्स एण्ड मयो स्कूल ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता के अन्त में लता कोठारी तथा विद्यालय की निदेशिका उर्मिल बख्शी ने छात्र/छात्राओं को प्रोत्साहित करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

बख्शी स्प्रिंगडेल्स के खिलाडियों ने स्टेट में 7 मेडल जीते

कोटा जयपुर में हुई राजस्थान राज्य रैंकिंग टेबल टेनिस प्रतियोगिता में बार्खी स्प्रिंगडेल्स टेबल टेनिस एकेडमी के बच्चों ने कोटा टीम की तरफ से खेलते 🍱 हुए सात मेडल अपने नाम किए है। टीम कोच अभिनव पंचार ने बताया



दिवस उत्साह साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों को योगासन

बिषका में श्वाच वर्षपुणना मारहरू जुल १० गाँव स्थाप। प्रिस्मित सुजगासन आहर तथा गुलार स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स् लक्ष्य तोषनीवाल ने ब्रॉन्ज मेडल हासिल कर कोटा का मान बढ़ाया। प्रिस्मित स्स अवसर पर विद्यालय के 700 इरम कमर व डायरेक्टर उर्मिल बख्शी ने विजेता छात्रों को बधाई दी है।

यम नियम आसन, प्राणायाम, प्रत्याहारा

बक्शीज स्कूल बोरखेड़ा में योग

नवज्योति/कोटा

करवाए गए व योग के आठ महत्वपूर्ण तत्वों के बारे में बताया गया। जिसमें धारणा, ध्यान, समाधि, अनुलोम-विलोम, विद्यार्थियों ने भाग लिया। योग सेशन



के अंत में विद्यालय की निदेशिका उर्मिल बख्शी व प्रधानध्यापिका इरम कमर ने विद्यार्थियों को योग के महत्व से अवगत करवाते हुए प्रतिदिन योग करने के लिए प्रोत्साहित भी किया।

बक्शी स्प्रिंगडेल्स विद्यालय के बच्चों ने लहराया परचम

नवज्योति/कोटा। वक्शी स्प्रिंगडेल्स वंद्यालय खावनी कोटा पांचवीं और आठवीं बोर्ड की परीक्षा में अपना कक्षा के 90 प्रतिशत विद्यार्थियों ने ए ग्रेड तथा आठवीं कक्षा के प्रतिशत विद्यार्थियों ने ए



कोटा बक्शीज स्प्रिगडेल्स सीसै स्कूल के पूर्व छात्र संजय उपाध्याय का भारतीय अंडर-21 में चयन हुआ है। वर्तमान में प्रथम संजय दिल्ली टीम के लिए खेल रहा है। प्रधानाध्यापिका इमर कमर ने बताया कि छात्र संजय 7वी से ही इस खेल की निरंतर प्रैक्टिस कर रहा है। निदेशिका उर्मिल बक्शी ने छात्र प्रथम संजय उपाध्याय को उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

प्रान्शु शर्मा को बेस्ट कैडेट का मिला अवॉर्ड

स्प्रिंगडेल्स सेकंडरी र



कोटा की कथक नृत्यांगना महिमा सोनी को कला साधक सम्मान



बख्शी के छात्रों ने विकसित किया कियोरक असिस्टिंग सिस्टम

नवज्योति/कोटा बख्यी के स्प्रिंगडेल्स सीनियर नवाउन्होंकि/क्रोस्टा
ब्यक्क्षी के स्विग्रहेल्य सीनियर
मैकेडिय स्कृत वो एक्स सरस्यों ने
म्कृत पूर्वप्रमुख्याली को सहस्या
करने के लिए ने एक परियोजना
बनाई है। धरि योजना का
विधासस्यालय में अधिकसस्यला
इति अञ्चासस्य प्रवान करना है। वह प्रोजेक्ट एक इति है। वहि प्रोजेक्ट एक इति रहिंदिय फिजिक्क स्टूबार है जो मुख्या प्रविशेष करना है। जिसका अर्थ है कि एक एएंक्सेक्स को टच स्कृति पर प्रवाहित किया जाएगा ताकिकीई में प्रवाहित किया जाएगा ताकिकी स्व मुज्याल होना स्व स्कृत होना स्व मुज्याल स्वाहित करना हित्त मुज्याल में महत्व करना हम् प्रयोजना का मुख्य हिटास कह विक स्व में एक्स करना हम्



पर काम करेगा। इस परियोज

Brief Introduction To GRMES & Schools

Govind Ram Memorial Educational Society was formed by Brig. V. P. Bakhshi. Society has a permanent registration under section-25 of the company act 1956. **Mrs. Urmil Bakhshi**, the Chairperson of society, is a post graduate in education. With over 40 years of teaching and administrative experience, she has taught in a host of schools across the country and eventually at the Springdales School, Pusa Road New Delhi. The techniques and philosophies of the Principal, Mrs. Rajani Kumar had a strong influence on her, and she thus became a founder member of the Govind Ram Educational Memorial Society, established on 01 July 1994 which started the Bakhshi's Springdales School chain in Kota.

Rear Admiral Vineet Bakhshi (Retd.) is an alumni of The Scindia School, Gwalior, the National Defence Academy, the Naval College of Engineering and IIT, Delhi, is Trustee of the society. He served in the Indian Navy for 36 years, where he was the Head of the Machinery Trials Unit, the Director of the Indian Naval Ship Maintenance Authority, Commanding Officer of INS Shivaji (Engineering Training Establishment) and Director General of Naval Projects at Mumbai. Additionally, he held various shore and ship appointments. From 2010 to 2014, he was the Chairman and Managing Director of Goa Shipyard Ltd. Thereafter, he joined as the CEO of the Bakhshi's Springdales Group of Schools, under the aegis of the Govind Ram Memorial Educational Society, Kota. In 2018, he was appointed as Chairman and Independent Director of QGO Finance Ltd. He is currently the Vice Chairman of the Happy Schools Mission for District 3054 in Rajasthan and is an active Rotarian, contributing towards their literacy related activities. Under his supervision and guidance four schools are running:-

Bakhshi's Springdales Sr. Sec. School, Deoli Arab Road, Borkhera, Kota Bakhshi's Springdales School, Chhawani, Kota Bakhshi's Springdales Junior School Civil Lines, Kota Bakhshi's Upvan Nursery School Vallabhari, Kota.

BAKHSHI'S SPRINGDALES SR. SEC. SCHOOL, KOTA was founded in the year 1994. It is a CBSE Affiliated Coeducational English Medium Senior Secondary School. CBSE Affiliation ID / Code of school is 1730160. The school is being managed by GOVIND RAM MEMORIAL EDUCATIONAL SOCIETY, KOTA. The Aim of institute is to shape up each student's life, career and to provide the Education which teaches us to be civilized and an ideal citizen in the society.

Every individual has different interests & needs. They have different goals to be achieved in life. The school gives practical knowledge to its students for handling and to face any circumstances tactfully in career. We try to bring transformation in each student's life and try to inculcate cultural values.

Jai Hind!



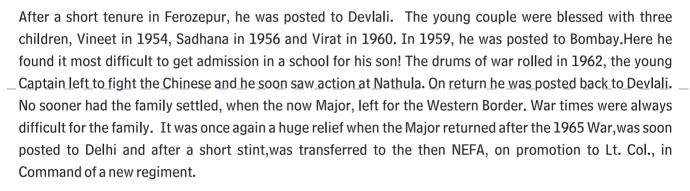
Hon'ble Brigadier V.P. Bakhshi

A tribute to our Founder (Brig. Ved Parkash Bakhshi)

By - Rear Admiral Vineet Bakhshi VSM (Retd.) (Honorary Secretary), Govind Ram Memorial Educational Society, Kota

Late Brig. Ved Parkash Bakhshi was born on 09 Nov 1927 on Gur Purab day in Multan, to Bakhshi Gobind Ram a Police officer. He graduated from the prestigious Govt. College Lahore. He joined the Indian Army and was commissioned in 1949 in the Regiment of Artillery and had the honour to be part





On completion of his tenure, he joined Headquarters 4 Corps and when war broke out with Pakistan in December 1971, he was part of the victorious Indian Army. He was present at the time of surrender of the Pakistani Army in Dacca, the largest surrender in modern times. He returned home to Delhi, only to be transferred within a few months to Ladakh, in Command of a Special Battalion. He was then promoted as a Brigadier in Command of an Artillery Brigade in Amritsar and then sent to Jodhpur, in Command of an Independent Air Defence Brigade. He retired a couple of years later.

Post retirement, he took up an appointment with DCM in Kota, where he had his second innings of 8 years. He and his wife started, first the Springdales School and built a home. He joined the CISS as its Director and then Managing Director. Simultaneously, he started his fourth, i.e., of a new school system with its own identity, the Bakhshi's Springdales Schools. As the founder Trustee, he carefully managed the affairs and set up schools in Civil Lines, Chhawani and Borkhera. He passed away on 27 Feb 2014.

Brig. V. P. Bakhshi lived as an officer and a gentleman. Handsome and charming, he saw the Independence of India, fought in all three wars, was part of the glorious victory in Dacca. A friend, father, grandfather and great grandfather, he has left a legacy of excellence and hard work. He set up the Bakhshi's Springdales School system to provide quality education for the children of Kota. From Multan to Kota has indeed been 87 years of commitment, compassion, accomplishments and achievement.



DIRECTOR'S MESSAGE.....



Resurrection!

The revival and reappearance of the school magazine is a rekindling of the fine customs and traditions of the past. The very customs and traditions which helped to mould many generations of outstanding alumni.

The past three years have been stressful for the students, for the staff members and their families due to the covid-19 pandemic. It touched all of us in many ways, and the effects linger on. Teaching and learning was seriously impacted. Nonetheless, our teachers found innovative hybrid solutions to suit the needs of our students. They often went the extra mile to teach students at a time of their choosing. The long hours of incarceration at home, did also result in many students developing asocial and alienated behaviour. Many cases have been resolved with the help of our counselor and our teachers. Our Table Tennis players, trained at the new facility in Chhawani, are doing us proud, with three having been selected to represent the State in Nationals! Congratulations!

As we look ahead at the year end, we do see bright sunshine, dulled by the impact of climate change and high pollution levels. It is therefore incumbent upon each one of us to be cognizant and act in ways to mitigate these dangers. Though there have been a succession of eventful occurrences, we are grateful to our God for each blessed day. We should prepare well for our bright future, while looking after our physical, spiritual and mental well-being.

Jai Hind!

Ms. Urmil Bakhshi (Director)





Ms. Vijaya Kumari (Academic Consultant)

Dear Readers,

It is my pleasure to address you all through the pages of this school magazine. As the former Principal of this esteemed institution and the current academic consultant, I have had the opportunity to witness the growth and development of our school in various aspects.

Over the years, our school has stood out for its academic excellence, sporting achievements, and cultural activities. We have always believed in providing a holistic education that goes beyond textbooks and examinations. Our students have been trained to be not just good learners but also good human beings with a strong sense of social responsibility. As we move towards a new era of education with the implementation of the National Education Policy (NEP), I am confident that our school will continue to play a significant role in shaping the future of our country.

The NEP aims to transform the education system by focusing on the overall development of students, promoting creativity, critical thinking, and problem-solving skills. It emphasizes the importance of experiential learning, technology-enabled education, and multidisciplinary education.

As an academic consultant, I am committed to support our school in adapting the new changes and implementing the NEP effectively. I believe that our school has the potential to be a model institution in the implementation of the NEP and to provide quality education that prepares our students to face the challenges of the 21st century. I urge all the teachers, and parents to embrace the changes brought about the NEP and to work towards creating a better future for our children. Let us strive to provide education that not only equips our students with knowledge and skills but also makes them compassionate, responsible, and ethical individuals.

With Best wishes.





"Writing has been an important exercise to clarify what I believe, what I see, what I care about, what my deepest values are. The process of converting a jumble of thoughts into coherent sentences makes you ask tougher questions'.

- Barack Obama

Dear Parents and Students,

The present time is very competitive and full of hurly burly life. In this era a person has probably no time to think about himself/herself or to introspect. Apart from it, the mobile has left no stone unturned to speed up this time. The result of which we, all are seeing. Somewhere we definitely feel lack in our memory power. Because we think: what is the need to remember? Google baba is there. It will answer each question.... Then why should I remember or to keep anything in my mind? The pandemic time of yesteryears introduced people to a different lifestyle in which the person became very struggling and diverted to the technological era. A new change came in school life and a surge of online teaching and study materials started everywhere. To adjust in this fast changing time, it was necessary for teachers and students to be updated according to time. Our teachers made teaching easy and interesting with new innovative techniques. Our students got adjusted to them in this era with sharp intelligence. But it is now again the need of hour to develop the skill of writing and reading the books more and more. The school magazine is a platform to our students to broaden their thinking and to give a shape of words to their understanding.

The aim of the members of our School Management Committee is to provide meaningful and substantial education to the students. We at Bakhshi's Springdales Sr. Sec. School, Kota, Rajasthan under the aegis of the Govind Ram Memorial Educational Society, are committed to the highest levels of achievement for pupils of all abilities. Bakhshi's Springdales School shapes up our students to be good at heart, rich in moral values, meticulous in thoughts, systematic in planning and smart in action.

We arm our students with technological supremacy and help them to integrate it with values as we firmly believe that every child has the potential to achieve something significant. Bakhshi's Springdales School undertakes the challenging task of moulding the young impressionable minds into valuable assets of the society, precious gift of mankind and pride of human race. The Chairperson of society, Mrs. Urmil Bakhshi who is the exponent of this institution always guides us in academics. It gives me great pleasure to express my deep sense of gratitude and respect for her for infusing confidence, and sense of enthusiasm in us and above all entrusting me with this challenging and pious mission. We under her supreme guidance are providing holistic and quality education to the students.

At the end I would like to extend my best wishes to the editorial team, all our students, staff members, parents and alumni.

Ms. Iram Oamar (Principal)

Více Principal's Note.......... 🥖





My Dear Parents and Students,

It is a matter of pride to pen the message for the addition of annual school magazine **Insight**. The contents of the magazine reflect the wonderful knowledge, creativity of thoughts and imagination of our students and teachers along with multifarious happenings and learning held in the school during the session 2022-23. I extend my best wishes to the editorial team and students.

A school is a place where students begin to learn different lessons of life. We in Bakhshi's Springdales Sr. Sec. School believe that every child is God's gift with different abilities and keeping this in mind we provide the students value based education, opportunities to grow in every sphere of life not only in academic and in personality development but also in the field of co-curricular activities, games and sports etc. Our students are paving their way towards greater heights to come with their inner values to build a better tomorrow with good behaviour and disciplined way of life.

I would like to extend my sincere thanks and gratitude to Mrs. Urmil Bakhshi (The Director) Bakhshi's Springdales Group of Schools, Kota and Rear Admiral Vineet Bakhshi, VSM (Retd.) The Secreatry (Govind Ram Memorial Educational Society Kota) who always guides, gives confidence, inspires and supports us in all activities of school.

I want to thank all the staff members and students for their contribution and the important role they play in school to take the school to a greater heights as per School's Motto "Truth, Unity & Knowledge".

Thank you! — — — — — — Mr. K. S. Sawhney — (Vice Principal)

Editorial Quote......

"Expression" is the unique activity in human beings.

It's a small murmur or movement in mind which takes a shape on body.

There are various aspects to express the inner emotions: as words, gestures, body language and pace.

As the **words** are a part of expression, hence we should heed on our words. Because our **words are our identity**. They show to people what is inside us? What is our mainstream? What is our environment?

To polish our personality we need to focus on our words. But what should we speak? It depends on our inner efficiency.

To enrich our words we should read a lot, not on social media but in the books of great authors, thinkers, philosophers or social reformers. To exercise our words we should cultivate a habit of writing. As much as we write we will get perfection in our words, means we will brighten our identity.

Nowadays in this hurly burly life we have neither any time to meet ourselves nor to meditate (review) over our activities. Even many of us do not think about the goal of our life. So, if we try to write anything we have to think about it. Thinking or meditation is the best way to come across oneself. So it is said "to read something before sleep".

Jai Hind!

Atal B. Sharma (P.G.T. English)



MANAGEMENT ARTICLE ALUMNI COLUMN

डॉक्टर – गिरी 'गिरीवर'

हर-हर गंगे

भागीरथी हिमालय के गोमुख से निकली पवित्र गंगा में यदि श्रद्धा से डुबकी लगाई जाए तो ऐसी मान्यता है की पापों से मृक्ति एवं मोक्ष की प्राप्ति होती है । हमारी धरोहर हमारी गंगा 2510 किलोमीटर लंबी है इसका जल सालों रखा रहे तो भी खराब नहीं होता है । ऐसी मान्यता है कि गंगा जल को घर पर व्यवसायिक स्थानों पर छिडकने से धनात्मक ऊर्जा का संचार होता है और ऋणात्मक ऊर्जा समाप्त हो जाती है । पूजा अर्चना एवं सभी पवित्र अनुष्टानों में गंगाजल काम आता है हिमालय से बहती-बहती गंगा जब हरिद्वार में भगवान के चरणों में पहुंचती है तो उस स्थान को हर की पौड़ी के नाम से जाना जाता है, यह सबसे पवित्र स्थान है यहाँ शाम को गंगा आरती होती है । गंगा का जल लेने के लिए, आचमन करने के लिए यह सबसे श्रेष्ठ स्थान माना जाता है इससे मन शुद्ध होता है, बल मिलता है, बुद्धिप्रबल और विकसित होती है । यदि हम पवित्र हैं, बलशाली हैं, तो देश भी बलशाली होगा भारत माता का हर बच्चा बलशाली होगा बोलो हर हर गंगे।

जय हिंद!

Ranveer Aiden Chapter Lead, **EROAD.** New Zealand



हसरतो का जलसा है. यादों का मेला है साथ चले थे जो दो कदम फिर उनकी कहानी याद आई है मिले हैं इस मोड़ पर जहाँ मायने जिंदगी के बदल गए ना बदला तो बस यारी का रंग जज्बातो की फिर लड़ी दोहराई है बेलफ्ज हो गया था ये बंदा. तुमसे बिछड़ कर यारों मस्ती की बस इक घुँट से मेरी आवाज मे सूर आया है, ना जाने मिलेंगे फिर कब फिर कब फसानों का दौर होगा पर मिलेंगे तो कुछ ऐसे जैसे फिर पुरानी यादों का दौर होगा

Our Previous Result in Sec. & Sr. Sec. Exam - 2022



BAKHSHI'S SPRINGDALES SR. SEC. SCHOOL

Borkhera, Kota



To Our Star Performers



Sr. Sec. Exam Result 2021-22



MANUJ CHADHA



TAPISH MALAV MANASVI SHARMA





GAUTMI SAHU



MRADUL SHARDA KHUSHI GEHLOT







ISHA MEHRA



SUHANI MITTAL FAGUNI KARAD

















YATHARTH JAIN CHARUL MEENA DEEPAK DHAKED DIVYANSHI JANGID







ARPIT TRIPATHY SAMRIDDHI SIROHI 95.8%



Sec. Exam Result 2021-22

TANYA 95.8%



95.4%



Ph.: 0744-2333941 E-mail: bsdsbr@gmail.com

A CONFAB WITH CELEBRITY

As We know, an eminent **Bollywood Actress Ms. Jasmin Bhasin** belongs to Kota City, Rajasthan. She has been a student of **Bakhshi's Springdales School**, **Borkhera**, **Kota**. She has passed Sr. Sec. Exams from school in session 2007-08. Here are some statements of a interaction with us:-

Q. 1 Kota is known as Education City. Here are several schools. Why did your parents decide to get your admission here in Bakhshi's Springdales School?

Ans. Bakhshi's Springdales School is known for providing quality Education. Same was known at that time also. That's why my parents decided to get my admission there.

Q. 2 Do you feel that in your student life school has played an important role in your career and in the growth of your personality?

Ans. Yes absolutely, a school plays a very important role in a student's all round development. He/she learns their various qualities which are basic platforms in blooming his/her inner values. A good school provides all co-curricular activities to students for shining up their skills.

There in Bakhshi's Springdales School educators were very experienced, skillful, and cooperative. They always motivated us and provided us with the opportunity to expose our skills. There I was very much influenced by Mrs. Urmil Bakhshi. She is a workaholic and completely devoted to teaching. I even heard that she still teaches at the age of 90 years. I haven't seen any eminent school director of 90 years age and teaching in his/her school. I hope that I should have such dedication to work.

Q. 3 Can you tell us briefly about your journey from school to Bollywood?

Ans. You know that it's a little bit tough to reach up to Bollywood as an actor or actress and it's even tougher to be stable here. But if you have the caliber and strong will power to achieve anything you can do it.

Q. 4 What is your message to our students?

Ans. I would like to say only one thing that human life is very precious. We should be thankful to God that He has given it to us. Now, this is our moral duty to keep us physically and mentally fit. We shouldn't think that we are born only to be good doctors, engineers, or scientists but we have several other options in which we can prove ourselves. There is no need to take any stress or pressure on our mind if we fail in any one opportunity. We have several more opportunities to fulfill our dreams. Apart from all these if we are good human beings and have a spirit of humanity and compassion we should think that we have achieved something which will be helpful in our journey to success.

Q. 5 Do you like to visit the school whenever you come to Kota?

Ans. Yes of course I like it, but as you know I have been very busy since working here in Bollywood. But whenever I visit Kota I would like to visit my school and would revive my childhood memories.

Q. 6 What is your review of schooling in Bakhshi's Springdales School?

Ans. Honestly, I am an ardent admirer of my school. This school provides excellent and value-based quality education. It provides all co-curricular activities and facilities to enrich the students traits. This magazine is one of them. May God bless you, all!

My best wishes are to the editorial team.

Thank you!

Jasmin Bhasin (Bollywood Actress)



Teacher's Column

दोहे:

कभी लगे यह छाँव सा, कभी लगे यह धूप ! पल पल में जीवन भला, बदले कितने रूप!! जीवन के इस राग में. संचित सारे गीत! भावों की सरगम सजे, सुर बन जाए प्रीत !! सखी क्यारी प्रेम की, हए भाव सब मौन! अंतस की पीड़ा यहाँ, समझेगा अब कौन !! मानव दानव में यहाँ, रहा नहीं अब फर्क ! नंदन कानन सी धरा, बनी हुई है नर्क !! मन में नित नित ही खलें , आशाओं के द्वार ! सपनों की लय को मिले, ताल बद्ध विस्तार !! कश्ती डगमग डोलती. तेज नदी की धार! साहस ही पतवार है, चल मांझी उस पार !! जनम मरण के बीच में, करना है संघर्ष ! इस जीवन का ओ सखा, इतना ही निष्कर्ष !!

> Ms. Mahima Soni (Dance Teacher)

BLESSED WITH BEST!

Evolution! Transformation! Accumulation! On this planet, the most complex creation. Blessed in life in every dimension.... On the path ahead, may we evolve in new ways, Be better for the forthcoming challenges of our days, Be protected from all the malevolent forces. Gradually develop and enhance our senses. Provided with an insight and an innate power, To blossom in this world like a lotus flower. May we use time and energy meticulously, To make ourselves and our surroundings function exuberantly.

Ms. Ankita Chhetija (TGT, Maths)

फांसी के फंदे पर झूलते जवान हेतु

सब कुछ है मंजूर मुझे ,पर कायरता स्वीकार नहीं, कायरता से बड़ा जगत में कोई पापाचार नहीं। बुजदिल तिल तिल मरता है,घट घट कर वो जीता है बजदिल का परिवार निरंतर खुन के आंसु पीता है बुजदिल का धुमिल जीवन है, शुल सभी की आंखों में बजदिल का हर पल मुषक सा, कृतर कृतर कर बीता है बजदिल को धरा देती नहीं खेल खेलने का अधिकार कभी सब कुछ है मंजूर......

कदम कदम पर कायर को बाधाएं दिखती कई-कई सांस-सांस में सनती जाती शंका नित नई-नई संकट की हल्की आहट पे. छई मई सा मख बन जाता जीवन के शतरंज में उसकी, कभी न गोटी लाल हुई पतझड़ ही पतझड़ बगिया में, आती कभी बहार कहीं सब कुछ है मंजूर.....

जो भय पर जय कर लेता है, बनता वही विजेता है भय पर जय करने वाला, सफल उत्सवी नेता है निडर वीर की साथी बनकर, धरती भी गर्वित होती केवल निर्भय बनकर प्राणी, जन्म सफल कर लेता है जान गया यह तन मन सुंदर मिलेगा बार-बार नहीं

सब कुछ है मंजूर.....

Mr. Sanjiva Palwar (PGT, History)

मां, तुम बहुत अच्छी लगती हो

मां जब तुम खुश होती है बहुत अच्छी लगती हो जब बच्चे खुश होते हैं तुम उनको देख कर ही खुश हो जाती हो तब तम बहत अच्छी लगती हो मां तुम्हारा एक ही उद्देश्य होता है जीवन का अपने बच्चों को देख कर जीना उनकी तरक्की देखकर फले न समाना तब तुम बहुत खुश लगती हो सबकी नजरों से बचाना, बरी नजर से दूर रखना अपने और बच्चों के स्वाभिमान के लिए लड़ती हो तब मां तम कितनी खुश लगती हो खद कम खाती हो गम भी खा लेती हो पर बच्चों को गम और कम नहीं खाने देती हो तब तम कितनी संतष्ट लगती हो मां जब हालात होते अच्छे तुम पहले कभी न सोचती अपना सब रहें मिलकर हर वक्त तम्हारा एक ही सपना कभी कोई न बिछड़े एक पल भी अपना तब तुम मां कितनी खुश रहती हो मां जब तम संघर्ष करती हो तभी सिर्फ तुम हम सब को देख कर जीती हो वही तुम्हारी जीत समझती हो मां तुम कितनी खुश दिखती हो बहुत अच्छा लगता है मां जब तुम ऐसे खुश रहती हो

(Primary Teacher)



Communication: A Source of Inner Exposure

Communication is the skill that makes us rule over the other living beings. Written communication is an exceptional characteristic of the human species. Over hundreds of years, writing has helped individuals to inform, collaborate and alert others, while societies benefitted from written history, culture and knowledge. In our time, how you successfully use the gift of writing, depends on you. Writing is a life skill, not only an essential job-related skill because it is often the basis upon which others judge your learning, your values, your ideas and your contribution to society

Writing equips us with communication and thinking skills. Writing expresses who are us? Writing makes our thinking and learning visible and permanent. Writing fosters our ability to explain and refine our ideas to others and ourselves.

Remember that the process of writing should be enjoyable. Writing is a serious business when its impact

is important. But writing is also for fun, taking pleasure in a turn of phrase, a touch of humour and wordplay. When you write your name under what you wrote, you will experience a feeling of accomplishment, an exotic moment it is!

The words are not only ways to express our ideas ,our beliefs but also bind us together. In this progressive world when everyone is quite busy making a niche for himself, written communication has become very important .How we put our thoughts in black and white is very important .Moreover isn't so that written words have an everlasting importance? So wield your pen and dazzle!

"If you set your goals ridiculously high and it's a failure, you will fail above everyone else's success". - James Cameron

Ms. Vandana Rana (TGT, English)

The Need of Chemistry Lab. in Schools

Chemistry is a fascinating subject that allows students to explore the composition and behavior of matter at the atomic and molecular levels. One of the best ways to learn about chemistry is by conducting hands-on experiments and investigations in a well-equipped chemistry lab.

Having a chemistry lab in a school is not only a great way to help students in learning about chemistry but also offers numerous benefits which are worth considering as:-

- 1. Improved learning outcomes: A chemistry lab allows students to apply the theoretical knowledge they have gained in the classroom to real-world scenarios. Through practical experiments, students can see how chemical reactions take place and how to handle different chemicals safely. This not only reinforces their understanding of the subject but also helps to develop important skills such as problem-solving and critical thinking.
- **2.** An in-depth practical experience: The lab allows students to carry out experiments that they may not have been able to perform otherwise, due to the unavailability

of equipment or resources. This allows for a more comprehensive understanding of the subject and enables students to develop a deeper interest in chemistry.

- **3.** Career preparation: A well-equipped chemistry lab can help to prepare students for careers in various fields that require a solid understanding of chemistry, such as medicine, engineering, and environmental science. Students who have access to a chemistry lab are more likely to pursue these careers and be better prepared for them.
- **4. Safety:** A properly equipped and maintained chemistry lab ensures that students conduct experiments safely, minimizing the risk of accidents and injuries.

In conclusion, the benefits of having a chemistry lab in schools are very clear. If it is used in appropriate manner, it provides our students a unique and valuable learning experience, while also equipping them with skills and knowledge that will be useful in their future endeavors.

Ms. Meena Aheer (PGT, Chemistry)



Changing Lifestyle

"It is health that is real wealth and not pieces of gold and silver." — Mahatma Gandhi

Unfortunately, in today's hurly burly life, we ourselves have spoiled our lifestyle to a great extent. Today, we have reached in a very dangerous situation where lifestyle diseases have surrounded us from all sides. Today asthma, diabetes, back pain, hypertension, obesity have become common diseases. Everybody is suffering from these diseases and the root cause of this, is our unhealthy diet, our bad lifestyle and negligence in doing exercise. Even now, if we do not understand then the situation will be very critical. Still we have time, let us exercise daily and should start to take healthy diet and let's improve our day to day routine. In this way we

can keep away all these diseases by yoga and exercise. Hence, my advice is to all my countrymen to adopt yoga and exercise daily."Your health account, your bank account, they're the same thing. The more you put in, the more you can take out." - Jack LaLanne Mr. Sanif Khan

(PGT, Physical Education)

बचपन की यादें

मेरे पालने पर लटका झंझना याद है सिरहाने रखी गुडिया याद है भाई से लड़ना भूल गई पर कभी खींची थी चोटी मेरी याद है माँ का चिल्लाना याद है मेरे हाथों से सब्जी में नमक डलवाना पढ़ने के लिए डांटना भूल गई पर बाबा का दुलारना याद है बदल गए रिश्ते बदल गया घर नई जिंदगी की सुबह याद है भूल गई सब कुछ तो बस खुद में जीना सीख गई लंडकी से औरत का सफ़र याद है सब हँसते है तो हँस देती हँ रोते हैं तो गुनगुना देती हूँ भल गई बचपन की हँसी

> Ms. Surender Kaur (Primary Teacher)

पालने का झुझुना याद है



शिक्षक अर्थात ज्ञान का सागर हर बच्चे के जीवन में प्रकाश का उजागर माता देती नवजीवन और पिता करें सरक्षा लेकिन शिक्षक जीवन में भरे मानवता सत्य न्याय पर चलना शिक्षक हमें बतलाते जीवन संघर्षों से लंडना यही हमें सिखलाते शिक्षक है वही जिंदगानी, जैसे प्यासे को मिलता है पानी शिक्षक न देखे कोई जात पात. न करता कोई पक्षपात. निर्धन हो या धनबाद , शिक्षक के लिए सब समान , सबसे ऊपर शिक्षा का स्थान, कभी डांट से कभी प्यार से देश के होने वाले भविष्य को यह संवारते जीवन में कुछ पाना है तो शिक्षक का सम्मान करो सिर झुका कर श्रद्धा से बच्चों तुम उन्हें प्रणाम करो शिक्षक का है सदा ही कहना. कठिन परिश्रम और सच्ची लगन है सफलवा का गहन

> Ms. Shipra Dubey (PGT, Biology)



Sukoon

What is sukoon? Peace, calmness, tranquility. People say it is a stress free state of security and calmness that comes when there's no fighting or war, everything coexisting in perfect harmony and freedom. And I say Sukoon is having my cup of green tea calmly in the morning watching the parrots and pigeons outside and blow to dry my hair in the sun on sunday mornings. The definition varies from person to person.

Inner peace and Mental strength go hand in hand. Mentally strong people are confident that they can handle whatever life throws their way ergo we must attain inner peace in order to make ourselves mentally strong. Let's talk over few suggestions from my side for gaining peace.

"Truly, only through the remembrance of God do hearts find peace."

This verse touched my heart the most and I definitely am living my life only by this. The foremost thing is remembering God, The Almighty, The Creater. There should be a balance between God and your worldly life .One must take out some time to have a chit chat with God because He is only The All Hearings, The Giver of Peace and The Disposer of Affairs.

Next comes the "Good Deeds" ... Doing good deeds will always help. If you know you are doing something good, something for which you will never regret, merely this thought can give your heart the immense peace. Furthermore, Distance yourself from those who don't clap when you win. Everybody isn't your friend

And now let's come on my personal favourite' Smile'. A person who meets others with a smile, drives away their anxiety and troubles and spreads tranquility and comfort and is true benevolent.

> Ms. Arshiya khan (PRT, English)

Moral Etiquette

Among all the species on the Earth, only human being is the one who has a sharp brain and can use it very well. All the species share this planet with human beings but in lieu, they return to nature. Only human being exploits nature without returning anything.

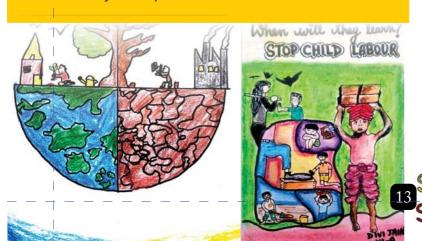
Hence we have some moral duties and we should abide them:-

- 1. Either we are on a public place or at our home. We should switch off the electric equipments whenever we are not using them.
- 2. When we are having a meal we should take only enough meal which can be used by us. We shouldn't leave any meal in our plate because if it goes waste it shows that we are disrespecting all the people who play an important role in growing the crops, transporting the grain up to our homes and preparing the meal for us.
- 3. We should abide the traffic rules. Because traffic rules are made for our safety not to trouble us.
- 4. We shouldn't waste paper, fuel, and water.

 Because these are limited resources to be used by future generations.
- 5. We should respect the public property and shouldn't litter by throwing garbage or by spitting on public places. Sometimes people use the public places for advertisements or often we notice people do encroachment on public places or on govt. land. Such People are punishable and the Govt. must take strict action against such people without any political interference.
- 6. During strikes, bandhs, and rallies protesters damage public property or government assets. They try to make government agree to their demands. Do they know that the development which is done by the government is only with help of the money given by taxpayers or it is extorted from us in the name of inflation? Can we imagine any development in such conditions?

- 7. We should inculcate a habit of using dustbins for garbage, refuse and waste.
- 8. Nowadays social media has become a platform for show off. In the madness of sharing the news at first people have lost the spirit of compassion and kindness. If a person is injured in an accident, maximum people will be busy in making a video of that incident, only a few people will try to help that injured person. Have we lost all sense of humanity? Shouldn't we help at first the injured person in stead of making videos?
- 9. As nature has created all the creatures on this planet and hence all have equal rights to share this land as equally as human beings, then who has given us the right to kill or harm any creature? We kill or harm other creatures in the name of safety or balancing nature but who told us to do so? I think we humans are so dominating that we will be the main reason of our own extinction.
- 10. Selfishness is another prominent quality of human beings sometimes it prevails over them so much that they do not hesitate to kill each other. But if we review history we will find that only those people are remembered always who had lived their lives for the sake of others or for the welfare of humanity.
- 11. As Vivekanand said, "Work is worship and work is life." So we should be dedicated to our work and workplace. If we are honest in our work we will always be appreciated.
- 12. If we take something from nature we should return. A small step of plantation can become a great support to nature and humanity also.
- 13. Avoid to pluck flowers from parks, and gardens. we shouldn't harm the beauty of public places.
- 14. Always greet and respect our real heroes as teachers, soldiers, doctors and policemen etc.

I hope, these few steps will play a vital role in development of our personality.





Mr. R.S. Rathore (PGT, I. P.\ C.S.)

Students' Musings

Sculptor

Friends! we can say that stone is a useless ingredient in nature. But sometimes it may be valuable in the form of gem, sapphire, diamond, ruby, granite and marble etc. We, all know that an ordinary stone has not much value, if it is lying uselessly somewhere. Nobody notices it there. But if any sculptor takes the same stone and gives a shape. It converts into an idol or statue, then everyone worships or observes that idol or statue. But is it possible to make any statue or idol without striking with chisel, hammer or any other tool? May be impossible. A successful and talented sculptor can give it any shape whichever he imagines. I think we also have such talented sculptors in our society - Those are **Teachers**. Yes teachers!

As soon as a child is sent to school the teachers put the best efforts on him/her to make a bright student. Their hard work results in success of a child. They make their student a great doctor, engineer, scientist, major, colonel etc. Where they lead our society, country or world. If our parents can be puzzled, irritated or even sometimes they scold us with hard words to teach us something useful in our life, same way a teacher tries to maintain the discipline in class, he wants to put the content of his subject in students' mind. He teaches the children of different family

background. Nowadays a student can misbehave with a teacher but what we expect from a teacher? Only to face such insults silently? Shouldn't we give respect to this sculptor? We need to think over it.........

Thank you!

Priyamvada Sharma __Class - IX - D

thank you!

वो कर ही दिखालाएगा

कोशिश करना मुश्किल है नामुमिकन कुछ ना हो पाएगा। राह मिले ना भले तुझे पर पथ पे आगे बढ जाएगा। कांटो की परवाह को छोड फूलों को चुनता जाएगा। सागर जैसा आगे बढता तू निरंतर ही बहता जाएगा। . बीज लगाया है जैसा तूने वैसा ही फल पाएगा। जो बीत गया सो चला गया अब नया सवेरा आएगा। मुझे यकीन है तुझ पर कि तू खाली हाथ ना आएगा। कहते हैं सब इस बार यही कि वो करके ही दिखलाएगा।

Samriddhi Joshi Class - VI - A



मंजिल

कुछ करना है तो डट कर चल थोड़ा दुनिया से हटकर चल लीक पर तो सभी चलते हैं कभी इतिहास को पलट कर चल बिना मेहनत के दाम कैसा बिना काम के मुकाम कैसा जब तक ना हासिल हो मंजिल तो राह में आराम कैसा अर्जुन सा निशाना रख मन में ना कोई बहाना रख लक्ष्य सामने है बस उसी पर अपना ठिकाना रख सोच मत साकार कर अपने कर्मों से प्यार कर मिलेगा तेरी मेहनत का फल किसी और का ना इंतजार कर जो चले थे अकेले उनके पीछे आज मेले हैं जो करते रहे इंतजार उनकी जिंदगी में आज झमेले हैं।

Priyanshu Khushlar Class - VII - D

आलस छोड़ो सैय्या त्यागो तुम

आलस छोड़ो सैय्या त्यागो तुम अपने कर्म से मत भागो तुम। हर मजिल तुम पा सकते हो महलों को भी झका सकते हो। अपने हाथों से वो काम करो जग में रहकर तुम नाम करो। पहाड़ों में भी पथ बनाकर तुम हर मुश्किल को आसान करो। सागर की गहराइयों में जाकर मोती व रत्न भी पा सकते हो। झठे घमंड में ना रह कर तुम अब अतिम प्रयास करो। जब तक मिले ना लक्ष्य तुम्हें तब तक हार ना मानो तुम। आलस छोडो सैय्या त्यागो तुम अपने कर्मों से मत भागो तुम।

Bhavya Soni Class - VII - D



The important facts about world and India

- * The male ostrich can roar like a lion.
- * Cats have 32 muscles in each ear.
- * Blue whale can create the loudest sound in the world.
- *A giraffe can clean its ear with its 50 cm (20 inch) tongue.
- * Humming bird can't walk.
- *If you drive to the sun at 55mph, it would take you about 193 years to reach upto sun.
- *Giraffes have the highest blood pressure than other animals.
- * Six year old children laugh an average of 300 times.
 Pop corn was invented by the AZ tec. Indians.
- * A cheetah's top speed is 114 kmph.
- |* Yoga has its origin in India and has been existing for over 5000 years.
- * India introduced shampoo to the world.
- * More than 19500 languages are spoken in India.
- *India is the second largest English speaking nation.
- *Solar system was formed around 4.6 billion years ago.
- *The water level on earth hasn't changed since the day it was formed.
- * India is the wettest inhabited place on earth.
- *India has the second highest population in the world.
- *The city of Varanasi is believed to be one of the oldest cities in the world.
- * India is the home of festive like Holi and Diwali.

Mohammad Ishan Class:- VI-B

Kotah: The Coaching Capital of India

KOTA city is situated at the bank of Chambal river in Rajasthan, North-West India . Inside the Kota Garh Palace or City Palace, the Maharao Madho Singh Museum exhibits miniature paintings and antique weapons . South, along the river , tranquil Chambal garden has a pond with crocodiles. In North-East of Kotah city Jagmandir Palace sits in the middle of Kishore Sagar Lake constructed in 18th century . Seven wonder park includes mini replicas of the Taj Mahal, Great Pyramid, Eiffel Tower, Leaning Tower, Christ the Redeemer of Brazil, Colosseum, and Statue of Liberty. Kota is known as "The Land Of Crocodiles", found in Chambal River. The city is known for Kota Doria Sarees, Kota Kachori and Kota Stone.

Nowadays it is known as Education City, prominent hub for medical and engineering entrance exams and entices thousands of students from different parts of the country. Every year more than 2 lakh students come to Kota for the preparation of these exams. Kota was selected in one of the 100 smart cities challenge, organized by Ministry of Urban Development for a part of stage 2 of the smart city. Kotah was founded by **Kotiva Bheel**.

Because of its rich and varied heritage I love it very much.

Ananya Garg Class:- VI-B

Internet Addiction is now in 21st century has become a public health issue. Nowadays many of the people end up scrolling on social media, watching videos or chatting etc. There are some benefits of using social media but side effects are also there. Most of the people, especially youngsters and kids are addicted to mobile phones because of easy access of content.

Internet Addiction

There are some side effects of using too much Internet:-

Insomnia: Because of using too much mobile phone at night we can't get proper sleep.

Waste of Time: By using mobile phones for the use of social media, watching videos or chatting is the wastage of time.

Lack of Emotional Control: It also affects our mental health like. Sudden aggressiveness or to show affection, being polite or rude.

Harmful to Physical Health: It can be cause of headache, joint pain, stress, lack of vision etc.

Reduce Interaction: It reduces the interaction with our family members, relatives & friends.

For avoiding these kind of dangerous disadvantages we can set limits, turn off notifications, & should adopt some new hobbies

as: to focus on games or physical activities

Harshleen Sohal Class: IX- D



The Disappeared Library

At the road to McDonalds

There used to stand an old man named Ronald.

He would go to a library five times a day.

And read almost every book in all ways.

That man was so much in love with

the world of books and peace,

That the librarian at night had to throw

the man out with ease.

One fine evening I saw the happy old man sad,

I could feel something was bad.

When he looked at me he pointed to the fashion shop

Then I realized:

The library had disappeared.

And a fashion shop had appeared,

After some days the old man too had disappeared,

I asked the librarian about the old man when

He had last appeared,

He said to me," Ronald now stays in a peaceful and

Beautiful place in the woods,

Where he has been writing a million books,"

At that moment I realized,

What human beings need.

Yash Meena Class:- VII-D



SUCCESS

Climb the steps one by one, For one day it will be done, Your mind body and soul will sing, 'success is what I can achieve.' No matter what comes in your way, Never decide to run away:

For deep within you, there is truth and determination.

From problems, issues and complications

Anika Sharma Class:- V - A

THE BEST

- The best teacher Experience
- The best student Attempt
- The best book Life
- The best lesson- Patience
- The best dress Smile
- The best shelter Truth
- The best medicine Laughter
- The best temple- School
- The best friend Book

Yashvardhan Sharma Class:- VII - C



Unexpected Wisdom From A Bird

A man caught a bird. The bird said to him

Release me, and I will give you three valuable pieces of advice. But I will give you the first when you will let me go, the second when I will fly up to that branch, and the third when I will fly to the top of the tree".

The man agreed, and let the bird go. Now the bird was free, the bird said, "do not torture, torment and burden yourself with excessive regret for past mistakes". The bird then flew up to a branch and said, "Do not believe anything that goes against | common sense, unless you have first hand proof". Then the bird flew up to the top of the big tree and said." You fool. I have two huge jewels inside me. If you had killed me instead of letting me go, you would have been rich".

"Darn it!" The man exclaimed. "How could I have been so stupid? I am never going to get over this. Bird, can you at least give me the third piece of advice as a consolation?"

The bird replied, "I was merely testing you. You are asking for further advice, yet you already disregarded the first two pieces of advice, I gave you, First, I told you not to torment yourself with excessive regret for past mistakes & second I told you not to believe things that go against common sense unless there is first hand proof.

And yet ,you just tormented yourself with regret for letting me go, and you also believed that there are two huge jewels inside tiny bird like me!.

So here now is your third piece of advice. "If you are not applying what you already know, why are you so intent on gaining what you do not know?"

Saumye Maheshwari

Rain, The Lord's Gift

Mother Nature gave me birth, And I came down on the Earth. My arrival makes Earthly hail, To fill me in their pail. When I fall from Indra's crown, I see many beautiful umbrellas down I bring rainbow and thunder. But not as cruel as hunter Running down from running clouds. Chatter chatter I fall aloud I help the flowers to rejoin, But take as a lot of noise. I enrich the hill. And the farmers toil. When I come down from the mountain, I sprinkle water on grass like a fountain.

> Pritish Raj Singh Class: VI- A

Amazing facts about Animals

- 1. A snail can sleep for three years at a time.
- 2. A bat can eat up to 1 thousand insects per hour.
- 3. Octopuses have three hearts.
- 4. Wild dolphins call each other by name "oi, hippese!".
- 5. Elephants have a specific alarm call that means "human!"
- 6. Polar bears have black skin and see through fur.
- 7. Reindeer eye balls turn blue in winter to help them at lower light level.
- 8. At birth, a panda is smaller than a mouse and weighs about four ounces.
- 9. The flamingo can only eat when its head is upside -down.
- 10. The bat is the only mammal that can fly.
- 11. The leg bones of a bat are so thin that no bat can walk.



Kunal Meena Class:- VI - B



Origin of Universe and Existence of Multiverse

The study of the origin of the universe is one of the most fundamental and fascinating areas of research in physics and cosmology. For centuries, scientists and philosophers have attempted to understand how our universe came into existence, and what its ultimate fate will be. In recent years, the study of the origin of the universe has been revolutionized by new observational data and theoretical developments.

One of the most widely accepted theories for the origin of the universe is the Big Bang theory. According to this theory, the universe began as an extremely hot and dense state around 13.8 billion years ago and has been expanding and cooling ever since. This theory is supported by a wide range of observational data, including the cosmic microwave background radiation, the large-scale structure of the universe, and the abundance of light elements.

Another important area of research in the study of the origin of the universe is the concept of cosmic inflation. This theory posits that the universe underwent a period of rapid expansion in its early history, which helped to smooth out the distribution of matter and energy and to explain certain features of the cosmic microwave background radiation.

In addition to these theories, scientists have also been exploring the possibility of a multiverse. The multiverse hypothesis suggests that our universe is just one of many universes that exist in a vast "multiverse". Each universe would have different physical laws and constants, and could even have different dimensions. The idea of a multiverse is still in its early stages of development and is not yet supported by observational evidence, but it is a topic of ongoing research.

Another argument for the multiverse is based on the string theory, which posits that there are many possible "vacuum states" in which the universe can exist, each with its own set of physical laws. Some scientists argue that these different vacuum states could correspond to different universes.

 $_{
m I}$ In conclusion, the study of the origin of the universe and the possibilities of multiverse is a fascinating and complex field of $_{
m I}$

research that continues to evolve as new observational data and theoretical developments become available. While the Big Bang theory and cosmic inflation are well-established theories, the idea of a multiverse is still a topic of on going research and debate. The study of the origin of the universe and the possibilities of multiverse continues to be an exciting and active area of research, with many new discoveries and insights yet to be made.

Bharat Singh Rajawat Class: IX- A



Discovery of the value of Pi (π)

Pi (π) is not invented in our modern times. Pi (π) has been known for almost 4000 years. The best-known approximations to carbon dating before the Common Era was accurate to two decimal places; this was improved upon. In Chinese mathematics in particular by the mid-first millennium, to an accuracy of seven decimal places. After this, no further progress was made until the late medieval period. The ancient Babylonians calculated the area of a circle by taking 3 times the square of its radius, which gave a value of Pi -3. One Babylonian tablet (ca. 1900-1680 BC) indicates a value of 3.125 for π , which is a closer approximation. The Rhind Papyrus (ca.1650 BC) gives us insight into the mathematics of ancient Egypt. The Egyptians calculated the area of a circle by a formula that gave the approximate value of 3.1605 for π .

The first recorded algorithm for rigorously calculating the value of π was done around 250 BC by the Greek mathematician Archimedes of Syracuse (287-212 BC), was one of the greatest mathematicians of the ancient world, Archimedes approximated the area of a circle by using the Pythagorean Theorem to find the areas of two regular polygons: the polygon inscribed within the circle and the polygon within which the circle was circumscribed. Since the actual area of the circle lies between the areas of the inscribed and circumscribed polygons, the areas of the polygons gave upper and lower bounds for the area of the circle. Archimedes knew that he had not found the value of π but only an approximation within those limits. In this way, Archimedes showed that π is between 3 1/7 and 310/71.

A similar approach was used by Zu Chongzhi (429-501AD), a brilliant Chinese mathematician and astronomer. Zu Chongzhi would not have been familiar with Archimedes' method-but because his book has been lost, little is known of his work. He calculated the value of the ratio of the circumference of a circle to its diameter to be 355/113. To compute this accuracy for π , he must have started with an inscribed regular 24,576 - gon and performed lengthy calculations involving hundreds of square roots carried out to 9 decimal places.

The Persian astronomer Jamshid al-Kashi roughly the equivalent of 16 decimal digits, in (1424AD) using a polygon with 3x228 sides, which stood as the world record for about 180 years. in (1596AD), Dutch mathematician Ludolph van Ceulen reached 20 digits, a record he later increased to 35 digits (as a result, π was called the "Ludolphian number" in Germany until the early 20th century)

In the earliest usages, the Greek letter π was used to denote the semi perimeter (semiperipherio in Latin) of a circle. Mathematicians began using the Greek letter π in the 1700s; introduced by William Jones in 1706AD, use of the symbol was popularized by Leonhard Euler, who adopted it in 1737AD. An eighteenth-century French mathematician named Georges Buffon devised a way to calculate π based on probability.

Ayush Meena Class: IX- A

My School: As Precious As a Jewel

When I first went to school, I cried hard and cried.
I did not laugh or play,
Nor sing or draw all day.

I began to hate that place and I pretended to face But I was cheered by my teacher, And at once the place became sweeter.

Now off to school I go happily, to learn my lessons and dance merrily Now I began to love my school, It is as precious as a Jewel

> Aaradhya UshaKiran Chahar Class – IV A



माँ

प्यारी जग से न्यारी माँ खुशियां देती सारी माँ चलना हमें सिखाती माँ मंजिल हमें दिखाती माँ सबसे मीठा बोल है माँ दुनिया में अनमोल है माँ खाना हमें खिलाती माँ लोरी गाकर सुलाती है माँ प्यारी जग से न्यारी माँ खुशियां देती सारी माँ

> Riddhi Saxena Class -II A



स्वच्छता

स्वच्छ रहे यह देश हमारा लगे जहां में सबसे न्यारा मिलजुल कर हम करें सफाई इसी में हम सबकी है भलाई

> कूड़ा कचरा ना सड़क पर डालो बीमारी को तुम ना पालो मिलजुल कर हम पेड़ लगाएं पर्यावरण को हरा—भरा बनाए जगमग जगमग चमके देश हमारा दुनिया में दमके

आओ मिलकर हम कसम यह खाएं स्वच्छता को हम सब अपनाएं सब मिलकर यह करो इरादा स्वच्छ रहे यह देश हमारा जय हिन्द !

Parul UshaKiran Chahar Class – XII Science

Believe inYourself

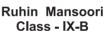
You can achieve it if you believe in yourself!

This saying holds true in our walk of life. If we make realistic goals and strive towards then success is no more a dream. Some achieve success without much efforts and then others with relentless effort. Self belief is defined as a feeling or consciousness of one's own powers or on self reliance. In simple words, self belief is a strong faith and confidence in yourself.

Self belief for students:-

Successful students are always confident and have a strong belief in themselves. They do not allow their failures to discourage them from achieving their goal. They wait for right time, gather all resources and then make a plan to achieve success. Successful students learn from their mistakes and never waste an opportunity given by God. Because they know that opportunities are rare. A person who does not have self-belief always makes excuses for his failures and blames others for his short comings.

If you believe in yourself nothing is impossible.





Quantum Physics

Quantum physics is a branch of physics that deals with the behaviour of particles at the atomic and subatomic level. It is a fundamental theory in physics that describes nature at the smallest scales of energy levels of atoms and subatomic particles. One of the key principles of quantum physics is the wave-particle duality, which states that particles, such as electrons, can exhibit both wave-like and particle-like properties. Another important principle is the uncertainty principle, which states that it is impossible to know both the position and the momentum of a particle at the same time with complete accuracy.

Quantum physics also introduces the concept of superposition, which states that a particle can exist in multiple states or locations at the same time. This is the principle that underlies quantum computing, where a quantum bit (qubit) can exist in multiple states simultaneously.

Quantum physics also has important implications in fields such as quantum mechanics, quantum field theory, quantum electrodynamics, and quantum chromo dynamics. These theories are used to explain a wide range of phenomena, including the behaviour of electrons in atoms, the properties of semiconductors, and the behaviour of subatomic particles in high-energy physics.

Overall, quantum physics is a complex and fascinating field that continues to be the subject of on-going research and study. It has already led to much technological advancement and has the potential for many more in the future.

Akshan Khan Class:- IX A



"Man's goodness is a flame that can be hidden but never extinguished," -

Nelson Mandela

SCIENCE

The oceans produce the majority of the oxygen on the earth.

Water can exist in three states at the same time. Helium has the ability to work against gravity. Humans have inherited genes from other space. Our universe is expanding rapidly. It can rain diamonds on other planets. About half of your body is bacteria. All objects fall at same average. Bananas are radioactive Soil is full of life.

Shubhi Yadav Class:- VI B



I don't know how to tell you,
I Love Blue.
How, Even I wonder that too,
Don't have a clue.
I just feel relieved with it,
It takes all my stress away.
It's actually rare in nature,
Yet everything around seems blue.
The more I know it,
the more I fall for it.
It's a wonder,
Isn't it Blue.

Ridhima Jain Class:- X - A



My School Days: A Journey to Cherish

School days are some of the most cherished memories of a person's life. They mark the beginning of one's journey towards adulthood, filled with experiences that shape one's personality and set the foundation for a successful future. As I left school after completing my studies, I couldn't help but feel a sense of nostalgia and a longing to go back to those carefree days.

My experience in school was a mixed bag of emotions, filled with ups and downs, successes and failures, laughter and tears. However, one thing that I can say for sure is that I enjoyed those six hours of school every day. The opportunity to meet my friends, learn new things, and explore my interest was something that I looked forward to every day. One of the defining moments of my school journey was meeting Aman in 6th standard. Aman became my friend, confidant, and partner in pranks. Together, we enjoyed our time in school, playing tricks on our classmates, participating in extracurricular activities, and exploring our interests. In school, I learned of morality apart from studies. The importance of honesty, kindness, hard work, and perseverance was instilled in me from a young age. There's something special about the bonds formed, the experiences shared, and the memories created during our school years. These values have stayed with me to this day and have helped me become the person I am today.

My best class was undoubtedly 9th standard. It was in this class that me and my friends undertook a rocket project that although not quite a success taught me to introspect and analyse. The experience taught me the importance of perseverance and not being afraid to fail. The six hours of school are an unforgettable part of everyone's life. It is the time when we learn, make friends, play, and grow into better human beings. These six hours in school shape our future and provide us with the foundation to succeed in life. The memories, experiences, and lessons that I gained every day are priceless, and I wouldn't trade them for anything in the world. I have so many memories that I will cherish for a lifetime. The annual day functions, sports events, field trips, and other activities were some of the highlights of my school journey. The opportunity to meet new people, make new friends, and explore new ideas was something that I looked forward to every day. In conclusion, my school journey was a journey to cherish, filled with experiences that have helped me become the person I am today. Leaving school after completing 12th is a bittersweet feeling. On one hand, it marks the end of a significant chapter in our lives, full of memories and experiences. On the other hand, it signifies the start of a new journey, one where we must take our learning from school and apply it to the world. While we may feel a sense of loss leaving behind the familiar, we must remember to embrace the new opportunities that await us. The six hours of school every day were the best moments of my life, and I will always be grateful for the memories and experiences that I gained during my time in school.

Vishwanath Tiwari Class - XII Science

ANXIETY!

What is anxiety?

Intense, excessive and persistent worry and fear about everyday situations. Fast heart rate, rapid breathing, sweating or feeling tired are the symptoms of anxiety. Someone having an anxiety or depression is common in today's generation. This is a very big issue but no one wants to discuss or talk about it. A person who is introvert and having an anxiety or depression would not be able to tell anyone about it and if they keep their thoughts or feelings only in their mind, they will never be able to recover from it and day by day they will become more depressed. You cannot define depression or anxiety by seeing someone's face because a person maybe trying to show everyone that he/she is happy outside but maybe depressed inside, maybe they are laughing in front of you but crying when alone. It is not easy for our generation to tell anyone about our mental health because we think that people will make fun of our anxiety and depression. But when we don't share it with anyone on a point of time we lose hope slowly, destroy our mental health and our self confidence and become mentally sick.

If you are having anxiety or depression, don't worry, just go to counselor and you can tell all your problems to them without any hesitation. You have to share your feelings with someone whom you trust or you are comfortable with, could be your parents or your friend. To overcome your anxiety and depression you can try yoga or meditation. You just need to be relaxed, calm and you can also add some physical and mental exercises to your daily routine. Slowly you will feel some good change in yourself and you will be more confident.

Hemakshi Pareta Class IX-B

Influence of Social Media on New Generation

Social media is becoming quite popular these days because of its user friendly features. Social media platform like; Instagram, Twitter, YouTube, Facebook and Tinder are giving people a chance to connect with each other across the world . The youth is especially one of the most dominant users of social media. We can find numerous advantages of social media. We can learn anything from anywhere by single click. We can learn dance ,music, painting, cooking technology and many more through social media. Moreover it provides a great platform for young talented artists to show their talent without any charge. We can also get great opportunities for employment too. Social media also benefits companies who wish to promote their brands and products, it also provides opportunities for connecting with customers.

Despite having all these great advantages social media is considered as the most harmful element for society. It is harmful because various types of adult content affects children very deeply. The very dangerous disadvantage of social media is addiction of it. This addiction deteriorates the academic performance of students as they waste their time on social media. Nowadays some cases also have been seen that in the craziness of making reels and videos our youths are risking their lives by doing dangerous stunts and by going on dangerous places for getting only a few more views and likes.

Now this is our moral duty to tell our generation for not to go on this type of dangerous path and should stay away from such addiction. We have to teach our generation to use social media only for our benefit wisely. Although we know it is a difficult task but we have to. We can save our new generation and can inspire them to lead morality and humanity based life.

Tanisha Dadhich Class X-B





"An investment in knowledge pays the best interest."

Benjamin Franklin

AND THE ROCKET NEVER LIFTED OFF

"What do you want to be when you grow up?"

Some said Astronaut, while others clung to Engineer and Doctor.

"I want to be an accountant in the State Bank of India," I replied, and the whole class burst into laughter. Even the teacher smirked.

"Dream Big, kiddo!"

And this was my introduction to the city school. I was a 10-year-old rural kid, after all. I could never understand why they all laughed at me. Numbers came easy to me. I could recite the tables up to 30 times, and I crushed the school's math exam. The idea of that fully AC cabin with a desktop upfront seemed far better than ploughing the fields in hot Rajasthan summers. And the salary is way better than that of a farmer.

But now, even if I go to the bank and get my dream job, I will never be satisfied. Not because the job is terrible or dull; in fact, I still love playing with numbers and my God, that was my dream AC cabin! But because of how ironic this job would be for me. This is the story of how a sugar-propelled rocket made my dream job 'ironic' to me.

Flashback to 2019...

The bulletin board said: ".... All interested students can contact their science teachers and submit a Science Exhibition | Project Outline by 18th"

The annual school science exhibition was back! This was the time to come out of my nerdy shadow. No offense. Being a nerd is awesome but it's not for me. Finally, I could see myself applying those hefty and dull physics equations in real-life. And maybe impress my high school crush.

To me, it was like the classic Pepsi Indian television ad: "Yeah Dil Mange More." The exhibition had so much to offer and this was my one shot to check every item off my high school bucket list.

I rushed to my classroom, finalized the team, and started the most critical discussion: What are we gonna do?

We needed something interesting enough to stand out. So we combined two of the most exciting topics from high school science: Newton's third law and inflammable redox reactions. Our proposed project, a reusable rocket, was the only one that needed special permission and could not be demonstrated indoors for safety reasons. Thus, making us STAND OUT side the school campus in the hot Rajasthan summers.

We had little or no money to build the rocket itself, and our knowledge of rocketry was comparable to a 70s kid building a PC for the first time. Yet I somehow managed to get additional chanda.

The initial propulsion systems were a complete failure, and some exploded right away, creating a Diwali experience. We improved the propulsion system first, then came the aerodynamics and designing the right framework. The YouTube channel BPS.space, #asknasa, and the subreddit r/rocketry became our go-to library.

And in no time, the exhibition day arrived. "Initiate the countdown," I commanded from the school cafeteria, now turned into the Launch Control Room.

3......2......1.....Launch

Nothing. The tension rose at the Launch Control. There was smoke everywhere.

The more the smoke mushroom-cloud grew, the more embarrassment it instilled in us. Everyone was laughing. I could clearly sense the disappointment on my teammates' faces. Turns out the fancy thrusters in the final rocket made it exceed the thrust offered by the propulsion system. The rocket never lifted off!

This explicitly meant: I LOST MY ONE SHOT!

One thing scarier than the embarrassment was the introspection.



उम्मीट

में क्या उम्मीद करूँ जो आशा के विपरीत है। यह कैसा मन का भरोसा है में हारे हुए मन की आशा हूँ में नए नए सपनों के पंख हूँ में क्या उम्मीद करूँ जो आशा के विपरीत है कारवां उम्मीद का बहता ही चला गया जहां उम्मीद थी वहां खाली हाथ ही रह गया उम्मीद कहती है में तुझे फिर मिलूंगी इस आशा का दिया जलता ही रह गया कहने को उम्मीद पर दुनिया कायम है यही सोच कर सफर तय किए जा रहा हूँ में क्या उम्मीद करूँ जो आशा के विपरीत है।

> Shaurya Lavania Class - VIII-B

मंजिल

डर मत राही इन रुकावटों से ये भी कुछ ना कुछ सिखलाती है कई मिलेंगे रोकने वाले, टोकने वाले गर तुझ में है दृढ़ संकल्प तो झुक जाएगे, झुकाने वाले देखा है हमने ऐसा वक्त भी जहां अपने भी पराए हो जाते हैं तय कर लिया था मंजिल को तो पाना है चाहे फिर कुछ भी कर जाना है जी - जान लगा दी थी मां - बाप ने फिर मंजिल को तो पाना है उनकी मेहनत का तोहफा अब हमें लौटाना है उनके कदमों तले दुनिया को लाना है कभी हसता था जो जमाना मुझ पर उसे अपने कदमों में झुकाना है मां बाप से मिले संस्कारों को साबित करके दिखाना है तय कर लिया था मंजिल को तो पाना है।



Hridhaan Dubey Class - III-A

AEROSPACE EBSB CAMP BENGALURU

I appeared in written examination of NCC special subject (Air force) & G.K., also participated in drill competition and interview at airport. After saying Jai Hind to all these things I got selected.

Jai Hind,

The EBSB Aerospace (Ek Bharat Shreshta Bharat National camp) was from 9 Oct. to 18 Oct. 2022. In this camp I got to learn about so many new things like Satellites, Missiles, Drones, Air Force & Space etc. There I went to visit such amazing places like ISRO (Indian Space Research Organization), HAL (Hindustan Aeronautical Limited), Shriharikota (from where all the satellites are launched), AFTC (Air Force Technical College), IISc (Indian Institute of Science), Planetarium, Air Force Museum and Science Museum etc.

We went to each Centre of ISRO, situated in Bengaluru, Navigation Centre, and Control Centre etc. We got a lot of knowledge about aircrafts in HAL like how it works etc. We saw the launch pads of satellites/rockets in Shriharikota, Andhra Pradesh, Telangana. We, 18 cadets were selected from Rajasthan Directorate and 6 cadets from Kota Group. From all over India there were 350 cadets. My experience was just amazing and fabulous. I just want to say 'thanks' to school for selecting me for this



Terahertz Radiation

Terahertz (THz) radiation refers to the electromagnetic waves that exist between microwave and infrared frequencies in the electromagnetic spectrum. It has a frequency range of 0.1 to 10 THz and a wavelength range of 1 millimeter to 0.1 millimeters.

Applications of THz radiation are diverse and include:

- 1. Medical imaging: THz radiation is non-ionizing and has the ability to penetrate through certain materials, making it useful in medical imaging for the visualization of internal structures and tissues.
- 2. Material analysis: THz radiation can be used to inspect the quality and structural properties of materials, and detect defects and impurities.
- 3. Communications: THz radiation has the potential to revolutionize wireless communications by providing high-speed data transfer, making it suitable for 5G networks and beyond.
- 4. Security: THz radiation has the capability to detect concealed objects, making it useful for security screening and border control applications.
- 5. Environmental monitoring: THz radiation can be used to study the properties of the atmosphere and detect trace gases. making it useful for environmental monitoring and climate research.

Despite its many promising applications. THz technology is still in its early stages of development. Challenges in developing efficient sources of THz radiation and creating practical devices for its applications must be addressed for THz technology to reach its full potential. Nevertheless, with

ongoing research and technological advancements, THz radiation is poised to become a major player in various fields in the future.

Advantages of THz technology include:

- 1. Non-ionizing radiation: THz radiation is non-ionizing, meaning it does not cause damage to biological tissues like X-rays.
- 2. High penetration: THz radiation can penetrate through some materials that are opaque to visible light and infrared radiation.
- 3. High frequency: THz radiation has much higher frequency than microwaves, allowing for faster data transfer.

Challenges of THz technology include:

- 1. Absorption: THz radiation is easily absorbed by atmospheric gases, limiting its range of application.
- 2. Limited availability of sources: Generating and detecting THz radiation is difficult and requires specialized equipment.
- 3. Development of materials: Materials with unique properties in the THz range are still being developed.

In conclusion, THz technology has a wide range of potential applications, but it also faces significant challenges. Further research and development is necessary to fully realize its potential.

> **Deepesh Panda** Class - IX-B

The real meaning of peace

Once, there was a king who offered a prize to the artist who would paint the best picture of peace. The contest started the imagination of artists everywhere. Many artists wanted a chance for winning the prize. Paintings from far and wide began to arrive. The king looked at all the pictures uncovering one peaceful scene after another as the on lookers clapped and cheered. The tensions grew as only two pictures remained. As the king pulled the cover from one it fell over the crowd. That was a picture of a calm lake. The lake was a perfect mirror for peaceful towering mountains were all around it. Overhead was a beautiful blue sky with flying white clouds. Along the grassy shore, a flock of sheep was grazing undisturbed. All who saw this picture of peace, surely that was worthy of winning in their opinion. The king uncovered the last painting and the crowd gasped in surprise. Could this be dedicated peace? This picture had mountains like the previous painting but these were rugged and bare. Above was an angry sky, from which rain was falling and lightning shining. Down the side of mountain tumbled a foaming waterfall the crowd was almost feeling its cold penetrating spray did not look peaceful at all but when the king looked closely he saw a little bird had built a nest on a branch of a tree. The tree reached out in the direction of tumultuous waterfall. Yet there in the midst of the rush of angry water, undisturbed in her stormy surroundings set the mother bird in her nest - in perfect peace the king chose that last one. That was the real meaning of peace.

> **Garv Sinha** Class -VI-D

यह धरती हिन्दुस्तान की

यह धरती हिन्दुस्तान की, यह धरती हिंदुस्तान की ना तेरी है ना मेरी है, यह बेटी किसी किसान की खेतों में इसके है सच्चाई, दिया जले तूफानों में एक साथ में एक कदम मिलाए, गीता और कुरान की यह धरती हिंदुस्तान की.........

देता है आवाज हिमालय, जननी तुझे बुलाती है बदल रहा इतिहास वक्त की चाल बदलती जाती है पूजन करो वतन की मिट्टी मूरत है भगवान की यह धरती हिंदुस्तान की, यह धरती हिंदुस्तान की ना तेरी है ना मेरी है यह बेटी किसी किसान की यह धरती हिंदुस्तान की यह धरती हिंदुस्तान की

Bhvesh Saxena Class -IX B

Amazing Facts about Human Body:-

- 1. Your eyes blink around 20 times in a minute. That's over ten million times a year!
- 2. Your ears never stop growing!
- 3. Ear wax is actually a type of sweat!
- 4. The tongue is covered in about 8,000 taste buds, each containing up to 100 cells helping you to taste your food!
- 5. You are about 1 cm. taller in the morning when you first get up than when you go to bed. This is because during the day the soft cartilage between your bones gets squashed and compressed.
- 6. If you walk for 12 hours a day, it would take the average person 690 days to walk around the world.
- 7. The only muscle that never tires is the heart.

Medicine for Stress

'MENTAL HEALTH' the life line of thinking. Although, activities of life is depend on thinking. If our mental health is normal, we can live our life joyfully. Nowadays, I think whole population of this world is suffering from stress. Every person either a kid, a student, an adult or an old person suffers with stress. This stress can be related to studies or responsibilities. This one thing can cause many diseases related to mental health like depression, anxiety disorder or personality disorders. Some informations about these diseases:-

'DEPRESSION' - It is characterized by persistent sadness. This is the worst disease in the world.

'ANXIETY DISORDER' - It is characterized by feelings of worry, anxiety or fear.

'PERSONALITY DISORDER' - A type of mental disorder in which you have a rigid and unhealthy pattern of thinking, functioning and behaving. But, you have heard this phrase -'PREVENTION IS BETTER THAN CURE' - Yes, we can treat this stress by doing only one thing -'MEDITATION.' Meditation is very best aasana. Meditation will take only fifteen minutes of our day. No matter how busy we are to do meditation if a person takes out 15 minutes from daily routine to perform meditation. It can be a medicine for stress. In meditation we have to sit quietly with closed eyes and peaceful mind. Peaceful mind means no thoughts during meditation. I know you will ask this question. We can't stop thinking, thoughts never leave our mind. How can we do meditation then? Let me clear all things. Thoughts are like guests. e.g.- when we will perform meditation first time thoughts wouldn't leave our mind, we will definitely try to stop thoughts coming in our mind. But the more we try to stop the thoughts, the more thoughts will come in our mind. So let them come they will occur for sometimes in our mind after that they will move away from our mind. Just ignore them and focus on meditation.

'Meditation is a perfect medicine for stress I am sure that if you perform meditation regularly, upto 15 days you will see 99 % improvement'.

Garvita Sharma Class - VIII B



"A clay pot with honey will always be ranked higher than a golden pot having poison. It is not the Outer glamour. But, the inner virtues that makes us Valuable."

25

Monday, 24 April, 2023

Jai Hind Friends!

This is **Rishabh Singh of class X - B**. I have taken admission here in this school 15 days ago. Last Year I was regular student in a coaching institute. Two months ago, the question arose in my mind, actually not in my mind, my father concluded after my feedback of the study there.



Are Coaching Institutes Helpful in Our Career Building?

I will say, No. Because, in this era, we are in the race of crowd or to maintain the social status we try to follow others. I also became a part same crowd last year and taken admission there in that coaching institute. They suggested me to get dummy admission in any school. After 15 days I began to feel the pressure of study. Because I was unable to understand the topics very well and I couldn't dare up to ask anything in the crowd of 70 students. Some students were notorious, awaited to target other students to make fun. Doubt counters were symbolic there we always awaited for our turn. Back benchers were always busy in making videos or making memes of teachers because mobiles were allowed in class. Nobody was there to reach up to those students who disturbed the class. To avoid making fun of me I also joined those notorious students group.

My parents began to remind me about the huge amount of coaching fees. I didn't know what to do?

As it is said that all round development is only possible in regular school where so many co-curricular activities are available for students and the students can expel stress from their mind during those activities. They can participate in their favourite activities. Think, how joyful we feel when any subject teacher is on leave and substitute teacher gives us games period.

I felt the partiality in these coaching institutes. Some students come from different family backgrounds. As intelligent or extraordinary students are taught by top faculties in A.C. classrooms. They are provided separate vehicles, lodgings and maximum focus is given on them. These are the students who bring more business to the coaching institutes. Such discrimination proves the average students that they are only the source of earning to the institute.

Parents pressure, friends / peers pressure, tests pressure, result's pressure, extra classes or holidays pressure has made this Kota city only a pressure factory or pressure cooker. Some students are not able to handle this pressure, they fall into depression, which leads them to unfortunate incidents like suicides. It affects the psychology of remaining students.

So friends I will suggest you to avoid such pressure factories and should continue your regular school study the school days will never come again in our life so cherish them.



Sports Play an Essential Role in Life

Sports play an essential role in the development of children in schools. Physical activity is important for maintaining good health and well-being, and sports provide an excellent opportunity for children to engage in physical activity. Furthermore, sports can teach children valuable skills such as teamwork, leadership, and sportsmanship, which are essential for success in all areas of life. In this essay, we will explore the importance of sports in schools and the benefits they offer to children.



Divyam Tanwani Class - XI Commerce

One of the most significant benefits of sports in schools is the improvement of physical fitness. Regular exercise is essential for maintaining good health, and sports provide an

excellent platform for children to engage in physical activity. Physical activity is essential for the growth and development of children and is associated with a range of physical, psychological, and cognitive benefits. Through sports, children can improve their strength, endurance, and flexibility, speed and agility which can help them lead a healthier life. Furthermore, engaging in physical activity through sports can help children develop good exercise habits that they can carry into adulthood, reducing the risk of developing health problems such as obesity and diabetes.

Another benefit of sports in schools is the development of teamwork and leadership skills. Through team sports, children learn how to work together towards a common goal, communicate effectively, and support each other. These skills are essential in any workplace or social situation, and sports provide an excellent platform for the children to learn them. Furthermore, through individual sports such as athletics and swimming, children can develop their leadership skills by setting and achieving personal goals. The development of teamwork and leadership skills through sports can help children to become more successful in all areas of life, from the classroom to the workplace.

Sports can also promote socialization and help children in making in new friends. In school, children are often divided into different classes and groups, and sports provide an opportunity for them to interact with children of other classes and backgrounds. This interaction can help children to develop their social skills and build relationships with other children. Furthermore, sports can help children in building self-confidence and self-esteem, which can improve their overall well being. The development of socialization skills through sports can help children to become more confident and successful in social situations outside of sports.

Despite the many benefits of sports in schools, there are some challenges that schools must overcome to promote sports effectively. One of the main challenges is the lack of funding for sports programs. Sports programs require funding to purchase equipments, to hire coaches, and to maintain facilities. Many schools struggle to allocate sufficient funds to support sports programs adequately. The lack of funding can limit the range of sports programs offered by schools, making it challenging for children to find a sport they enjoy and benefit from.

Another challenge is the lack of emphasis on sports in school curriculums. Schools often focus on academic achievements and may prioritize academic programs over sports programs. This lack of emphasis on sports can lead to a lack of support for sports programs, limiting the opportunities for children to engage in physical activity and develop

पार्थना

"Prayer from the heart can achieve what nothing else can in the world." - M. K. Gandhi

प्रार्थना एक ऐसी सकारात्मक ऊर्जा है जो व्यक्ति को उसके कार्यों में आगे बढ़ने के लिए संबल देती है तथा उसके लक्ष्य को हासिल करने में प्रार्थना ही वह साधक यंत्र है जिसके बल पर वह कुछ भी हासिल कर सकता है। प्राचीन काल में ऋषि—मुनियों ने आशीर्वाद से लेकर श्राप देने तक की सारी शक्तियां प्रार्थना से ही प्राप्त की थी। प्रार्थना की शक्ति अमोघ है यह कभी निष्फल नहीं जाती हम जो भी कुछ जीवन में हासिल करना चाहे वह प्रार्थना से कर सकते हैं।

लेकिन प्रार्थना किसकी की जाए? यह एक प्रश्न हो सकता है परन्तु प्रार्थना तो सर्वथा उस परमिपता परमेश्वर की ही की जाती है जो सृष्टि को चलाता है। अलग—अलग धर्मों में उसे अलग—अलग नामों से पुकारा जाता है। लेकिन वह है "एक ही शक्ति"। यदि वह शक्ति ब्रह्मांड में नहीं होती तो आज का इंसान इतना स्वार्थी और दम्भी है कि वह किसी को कुछ नहीं समझता। लेकिन कोई तो शक्ति है जो इस संसार को चलाती है तथा प्रकृति को संतुलित रखती है। जब — जब मनुष्य ने प्रकृति पर विजय पाने की कोशिश की तब—तब उस पराशक्ति ने मनुष्य को परास्ति किया।

प्रार्थना यदि सुबह की जाती है तो शाम तक हमें सकारात्मक ऊर्जा देती है और शाम को की जाती है तो रात भर की नकारात्मक ऊर्जा और दुरिवचारों से दूर रखती है। लेकिन प्रार्थना करते समय आराध्य देव का सम्पूर्ण ध्यान व सम्पूर्ण भाव होना चाहिए। भाव के बिना की गई प्रार्थना अर्थहीन होती है जिसका कोई लाभ नहीं मिलता। सद्भाव से की गई प्रार्थना हमेशा व्यक्ति के कार्यों और उसके आचरण में झलकती है तथा गलत भाव से की गई प्रार्थना उसी प्रकार निष्फल रहती है जैसे दोगले व्यक्ति का बनावटी व्यवहार जो एक ना एक दिन असली रूप में सामने आ ही जाता है।

जरूरी नहीं कि भीड़ जुटाकर की गई प्रार्थना ही सफल होती है एकांत में स्वाध्याय, चिंतन, मनन, ध्यान, योगा भी प्रार्थना का ही एक अंग है इसमें व्यक्ति अपने आराध्य देव का रमरण कर सकता है। यदि व्यक्ति को जीवन में एक सद्विचार, सच्चरित्र, सदाचरण पूर्ण व्यक्तित्व धारण करना है तो प्रार्थना का सहारा लेना ही होगा। अतः प्रार्थना की शक्ति को पहचाने तथा इसे जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाएं।

"The man of prayer will be at peace with himself and with the whole world."
- M. K. Gandhi

Aradhya Sharma Class - IV A



Role of Indian: Classical Dance in Education

Indian classical dances are the vibrations of the mind and the soul. They are extremely traditional and following the strict rule set down by the **Bharata Muni**(a saint) in **Natyashastra** which is the oldest surviving text on the stagecraft in the world. Our country has a very rich tradition of classical dance.



There are number of recognised classical dances range from eight to more. There are eight classical dances which are - **Kathak** from UP (North India), **Manipuri** from Manipur(North - East India), **Bharat Natyam** from Tamil Nadu (South India), Kuchipudi from Andhra Pradesh **Kathakali** from Kerela (South India), Odissi from Odisha (East India) **Mohiniyattam** from Kerela (South India) and **Sattriya** from Assam.

Learning classical dances set a very strong foundation. Indian classical dances involves different parts of the body, including hand gestures, footwork, eye coordination etc. at the same time, therefore the coordination becomes better and learning other dance forms becomes easier. Physically, classical dances help a child to improve balance, coordination, flexibility and the strength. Mentally, it can help to improve focus, discipline, creativity and self confidence. Through dance, students learn teamwork, concentration

and improvisational skills. It enables students to better understand themselves by helping them to realise their potential.

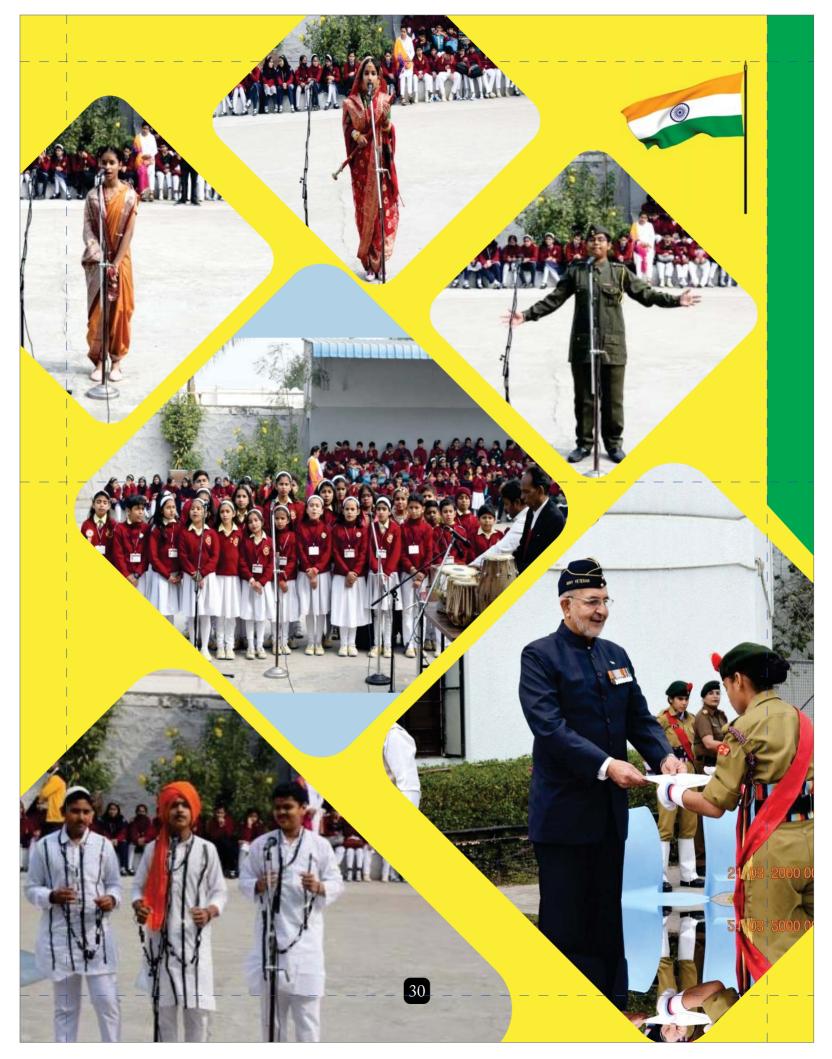
Today, there is nothing to prevent indian from admiring or learning western dance forms, but then we ought to learn indian classical dance first for an understanding to our own cultural traditions.

Bhoomi Shah Class - XII Commerce



National Festivals (Independence Day, Republic Day)





Inter-House Competitions





















EDUCATIONAL TOUR

Yashi Thakur Class – XI Com

The excursion is an education in itself. It teaches us lots of lessons. We see new things and new places. We meet different people and different cultures. Our daily routine makes life dull and boring. But trips refresh us and increase our knowledge. Educational trips which are arranged by schools and colleges, prove milestones in increasing the versatile personality of students. I also joined an educational trip which was organized by our school Bakhshi Springdales Sr. Sec. School. We planned one day trip to Ranthambhore Fort, situated in Sawai Madhaupur District, Rajasthan.

I was very excited and curious at night before trip. The next day was a cool winter morning. We gathered in school at 6:30 am. The bus had already arrived. The teachers counted the students. Maximum 51 students were registered to go on this trip as the bus was 56 seater. Five teachers accompanied us. We got refreshments as soon as we got into the bus. We had a lot fun in the bus and even our teachers joined us in dancing and singing. Around 11:00 am. we reached Indragarh which is 105 km. from Kota. We had tea & breakfast there and clicked photos, selfies, and recorded videos.

Around 12:30 we reached at our destination and went to visit the Ranthambore Fort by jeep. We saw deer, monkeys, and stags on the way to Fort. The fort is believed to be constructed by the Chauhan Rajputs. It provides a panoramic view of Ranthambhore national park which is now a popular tourist place.

It took us around 3-4 hours to visit the fort and the **Trinetra Ganesha** temple which is situated at the top of the fort. The temple is said to be built around 1300 AD by King **Hammir Dev** and has idols of lord Ganesha's entire family. We went on trekking to visit an underground cave named **Gupt Ganga** where King Hammir Dev used to do tapasya.

We had a lot fun there and we returned back at 5:30 PM. We, all were tired a little bit but we played games, sang songs, and danced with the same enthusiasm. At 6:00 pm. we took a very delicious Rajasthani meal. After getting the meal, it was time to start our return journey. We returned to our homes at 10.40pm.

Our educational trip was very pleasant and will have lifelong memories for us. We learn a lot of things from such trips as the great bond between students and teachers, students learn to be responsible. The schools should conduct such tour for all round development. Because....

"I hear and I forget, I see and I remember, If I do it, I understand"









Facilities & Infrastructure

Dance Room

Art Room











Row - 1 (L to R Sitting) - MS. SHUKLA BHADURI, MR. NAVDEEP SAXENA, MR. R.S. RATHORE, MR. SANJIVA PALWAR, MR. ATAL B. SHARMA, MR. ANAND SHARMA, MR. SANIF KHAN, MR. K.S.SAWHNEY (Vice Principal), MS. IRAM QAMAR (Principal), MS. URMIL BAKHSHI (Director), MS. VIJAYA KUMARI (Consultant), MS. VANDANA RANA, MS. PARMEET ARORA, MS. SAVITA SHARMA, MS. RITU BHARGAVA, MS. SHARDDHA PALIWAL, MS. SUKHJEET BHASIN, MS. SURINDER KAUR

Row - 2 (L to R Standing)- MS. ISHITA SINGH, MS. PRIYADARSHINI, MS. MAMTA HADA, MS. MAHIMA SONI, MS. NEELAM GURWANI, MS. MEENA RAWLANI, MS. LIZA, MS. SWATI YERMA, MS. NEETIKA MATHUR, MS. DEEPMALA SAHU, MS. GURPREET MANGOLIA, MS TARANG TYAGI, MS. SANTOSH PRABHA, MS. PURVA SHARMA, MS. SUCHITRA VERMA, MS. MANISHA SHARMA, MS. VARSHA TATWAL, MS. SWATI SINGH, MS. VAISHALI JAIN, MS. HANSA MANGHNANI, MS. MANURAJ JOHRI, MS. GARIMA ZIBBU

Row - 3 (L to R Standing)- MR. SANDEEP EMMANUEL, MR. NASIR ALI, MS. PAYAL TIRTHANI, MS. VANSHIKA HADA, MS. CHHAVI GAUR, MS. KANCHAN, MS. EKTA MEHRA, MS. CHINTAN MATHURIA, MS. CHHAYA KANWAR, MS. DIMPAL MANGHNANI, MS. ANKITA CHHETIJA, MS. SONIYA SHARMA, MS. ALKA GAUTAM, MS. RASHMI MUDGAL, MS. ARSHIYA KHAN, MS. KRITIKA CHAURASIA, MS. VANDANA SONI, MS. SONAL, MS. SONIYA SHARMA, MS. GARGI SAHU, MS. RENU PATHAK

Row - 4 (L to R Standing)- MR. KIRANPAL SINGH CHAHAR, MR. ABRAR HASSAN, MR. VIKAS SONI, MR. YASHWANTI CHOUHAN, MS.AKHILESH SHARMA, MR. TOMS VARGHESE, MR. KHURRAM ZAMAN, MR. SHIVAM ARORA





The National Cadet Corps (NCC)

Manisha Sharma III Officer A.N.O. NCC 7 Raj. Bn.

The National Cadet Corps (NCC) was started at first in 1966 in Germany. The NCC in India was formed with the National Cadet Corps Act of 1948. It was raised on 15 July 1948.

In 1949 the Girls Division was raised in order to give equal opportunities to girls in schools and colleges. The NCC was given an inter-service image in 1950 when the Air wing was added, followed by the naval wing in 1952.

NCC gives three types of certificate to its cadets based on their level of trainings:-

NCC 'A' Certificate:- is the first level of training and most probably are in schools. 'A' certificate holders are given 2% maximum marks exemption in examinations as bonus marks.

NCC 'B' Certificate:- This certificate is given to the cadets in NCC training in the Senior Wing. 'B' Certificate holders are given 3% maximum marks

NCC 'C' Certificate:- The highest marks weightage certificate offered by NCC is 'C' certificate, 5 to 10% bonus marks are awarded for recruitments of Sailors, Airman, Paramilitary, CRPF, ITB, Army, Navy and Air Forces.









The National Cadet Corps (NCC)

MY FIRST FLIGHT



Kiranpal Singh Chahar C.T.O. NCC Air Wing

"Sometimes you just know it's time to start something new and trust the magic of NEW BEGINNINGS."

The sound of the waterfall resounds the footsteps of the brave ones eager to serve their country. My presence next to one such cascade made me mesmerized. This gentle breeze made an awakening in me about the realization of my motive of life. I felt like an eagle taking its first flight into the expansive sky as I got into Air Wing of NCC at BAKHSHI'S SPRINGDALES SCHOOL. It gave me wings which soared me to boundless sky. The first step that I took towards my aim was the step that decided my destiny. NCC gave me new - new dreams and visions, these vibes were similar to when I was sitting beside a waterfall searching for inspiration to life and the sound of water gave me peace and rejuvenated me to think big & beautiful.

"Persistence and Hard Work change failures into an extraordinary achievement."

As a part of NCC Air Wing, I got new experiences, learnt new things, got self confidence, learnt to express myself. This experience made me a better version of myself. I learned, sky is not the limit. Just like the flow of water, I have to keep going in my life through every challenge.

"The Ability to handle life's challenges is a measure of our strength of character"



Co-Curricular Activities

Birthday Celebration of Mrs. Urmil Bakhshi (Director)



Principal, Mrs. Iram Qamar, observing the science exhibition



Vice Principal, Mr. K. S. Sawhney, felicitating with certificate to Inter - School Dance Comp. Winner



Staff Excursion







Co-Curricular Activities





Workshop by author of Ratnasagar Publication

Shakun Saini IX Std. Bronze Medal winner in State Level Wushu Competition



Gandhi Jayanti Celebration in School Campus



Honouring to Mrs. Urmil Bakhshi & R. Adm. Vineet Bakhshi VSM (Retd.) in workshop conducted by Snakes and Human Society of Kota



Plantation on world Environment Day









CIVIL LINES BRANCH FROM HEADMISTRESS'S DESK.....



Ms. Anita Chaturvedi

(Headmistress)
Bakhshi's Junior School,
Civil Lines, Kota

Dear Parents and Students,

As Bakhshi's Springdales Junior headmistress, I am dedicated to provide a comprehensive education that goes beyond just academics. Our focus is on fostering the overall growth and development of each and every student in our care.

We believe in providing a all-round education that includes not only strong academics, but also opportunities for students to explore their passion, develop their social, emotional skills and become active and engaged members of their communities.

Our goal is to create a safe and supportive environment where students can thrive, grow and reach up to their full potential. We are committed to work with each student individually to help them in achieving their unique goals and aspirations.

Black color is sentimentally bad, but every black board makes the student's life bright".

(- A.P.J Abdul Kalam)

Together, let's strive for a bright future for our students and a world filled with knowledge, confidence and compassionate to individuals.





Teacher's Column

Ms. Meeta Gupta (Eng. Teacher)

Say 2-Minutes Please

To achieve any goal,
And to play that role.
Learn to live for it,
And make this your habit.

But we often procrastinate, We lose and blame our fate. To stop this vicious circle to repeat, Here is the science to defeat.

Say 2- minutes please
And procrastination will freeze.
To build irresistible momentum,
Towards your priority
2-minutes rule be your instrumentum,
Atomic steps should take authority.

To establish the habit of reading Give 2-minutes daily to read a page To establish the habit of studying Spend 2-minutes daily in learning stage

To generate any good habit

Practice 2-minutes version of it, — — —

Sense of satisfaction can be gain,

Doing something instead doing nothing again

Say 2-minutes please

And procrastination will freeze.

Mini Pizza Garlic Buns

- 1. 4 Pieces of buns
- 2. Garlic paste- 4-5 spoons
- 3. Pizza sauce or tomato ketch up
- 4. Chopped onion-1 bowl
- 5. Chopped capsicum-1 bowl
- 6. Grated Cheese-1 bowl
- 7. Paneer cubes small-1 bowl
- 7. Palleel Cubes Siliali- 1 DOWI
- 8. Oregano, Red chili flakes- ${f 1}_4$ teaspoon each
- 9. Oil for shallow frying.

DIRECTIONS-

- 1. Heat 1 teaspoon of oil in a pan on low flame. Apply garlic paste on one side of the buns and place them on pan. Toast it until it gets golden brown. Remove them into a plate.
- 2. Spread Pizza sauce or tomato ketch up on each slice. Place chopped onions, capsicum and paneer cubes on each bun. Spread grated cheese and sprinkle a pinch of oregano and chili flakes on it.
- 3. Place it on a pan, heat it on a low flame and cover the lid. Toast it until the cheese melts. After 2-3 minutes turn off the knob of stove and place the buns on a plate.

Your tasty homemade mini pizza garlic buns are ready to eat.

Enjoy with your family and friends.

Ms. Uzma Pasha

(S. St. Teacher)

What to do if the life stucks by brake

Once in the physics class, the teacher asked the students... whether it is a car or a bike, every vehicle definitely has brake. "What is the use of brakes in a car?"

Various answers were received from the students: 1. To slow down the speed of the car. 2. To stop the car. 3. To protect the vehicle from collision etc. But the best answer was.... "To enable you to drive faster", it is because of brakes that help us to drive faster. You will think how it is possible? It is a human nature that any new thing seems very strange. But pay attention, there is a deep truth hidden in this matter.

Think for a minute – if our car does not have brakes, at what speed will we drive the car?

What are we talking about, we will not even start the car and we don't know where will it collide?

Actually, we drive carefree only when we have brakes, it is because of brakes that we can dare to accelerate, dare to go faster and reach up to our desired destination. Without brakes, our courage and confidence would not have been built.

Just like that we get many brakes in life too. At various points in life, we find our parents, teachers, gurus and friends questioning our progress, direction or decision.

We think that these people have come to trouble me, they are not allowing us to grow, they are putting brakes in our life. Thinking all this makes us irritable. But, remember, it is because of such questions (periodic brakes) that we have managed to reach where we are today. Without brakes, we could skid, lose direction or be the victim of an unfortunate accident. Without it, we would never question ourselves, never judge yourself, may be our over-confidence would drown us or we would be careless. It Would have happened. These brakes test our determination that how strong it is.

We should take these breaks positively and don't get nervous or irritable.
Use them wisely!! Look at its benefits. It's important to understand who is the well

wisher that act as a brake in our life.

Prateek Rathore (Comp. Teacher)





Ms. Aruna Sharma (Hindi Teacher)

बच्चे देश के उत्तराधिकारी

दशा नई जगाने को चलो नव सूरज उगाने को नीव देश की बनाना इन्हें सिद्ध स्वयं को करना इन्हें पल की चिंता किसे यहां निकले भविष्य बनाने जहां ढाल देश की, चाल देश की रच दे ये इतिहास काल की बच्चे देश के कर्ण धार, साहस परिश्रम जिनका आधार जोशीले, कर्मवीर, सुविचारी है भविष्य, देश के ये उत्तराधिकारी

If I were a Bird

If I were a bird

I could fly over the seas, the oceans; The countries beyond the boundaries, Made by the most intellectual;

Creatures on the earth.

If I were a bird

I could cross the barriers:

The barriers which made me confine,

Was able to break this prison:

In search of that Peace, that eternal Peace.

If I were a Bird

I could spread my wings;

The wings of happiness, the wings of freedom,

Where I could feel the real touch;

The touch of love, kindness, that sense made me.

If I were a Bird

I could fly in infinite;

Where I see dreams,

dreams of being pure soul,

The dreams which gave me:

The meaning of my life.

If I were a Bird.

Figure Her Out

The Number of Letter in Her Name $(2+3)+(2 \times 5-3)$

The Date of Her Birth (2^2+3^2+2)

The Number of Her Family Members (20% of 30)



Mrs. Urmil Bakhshi

The Number of Letter in India
She Loves the Most
(It's a Third Prime Number)

The Month of Her Birth - Date $(3^2 + 3)$

The Number of Sports she likes 1/0 = Infinite

(Hockey, Kabaddi, Football, Chess, Cricket, Badminton

Ravindra Yogi (Maths Teacher)

Riddles For Kids:

- 1. Riddle: How many months of the year have 28 days?
- 2. Riddle: It belongs to you, but your friends use it more. What is it?
- 3. Kate's mother has three children: Snap, Crackle and?
- 4. Riddle: If you don't keep me, I'll break. What am I?
- 5. Riddle: There's only one word in the dictionary that's spelled wrong. What is it?

6. A coin.

- 6. Riddle: I have a tail and a head, but no body. What am I?
- 7. Riddle: What's the capital of France?

5. The word "wrong".

8. Riddle: Which word becomes shorter when you add 2 letters to it?

Answers : - 1. Every month has

at least 28 days .

Your name
 The letter "F".

3. Kate 4. A promise .

8. The word "short".

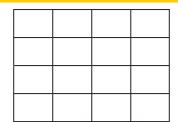
Ms. Ekta Jain (Eng. Teacher)





1. MAGIC SQUARE

Let's Solve



Fill different numbers in above boxes such that sum of row, column, and diagonal is 53. (Repetition of digits not allowed)

- 2. What is the value of x ? $x^x = 2^2048$
 - (a) 0

- (b)8
- (c)40
- (d)256
- (e)69,420

3. Puzzle: Solve it-







4. Find-

Sqrt (80) + **Sqrt (125)**

(a) 9 sqrt (5)

- (b) 20 sqrt (5)
- -(b)(c)-41-sqrt (5) - - -(d) sqrt (405) -
- 5. What is the area of the square?
- (a) 25 pie
- (b) 75 pie (c) 100 pie (d) 100



Ram Chandra Sharma **Maths Teacher**



Zero is Hero

I'm going to tell the story of zero:

One day a great mathematician called all the numbers for a meeting all the numbers came for the meeting except zero. then the mathematician asked; "Where is zero"?

No one knew where was he, The mathematician told all the numbers to find zero.

All the numbers started looking for zero and after a long time, they found zero hiding behind a tree.

Then the mathematician asked:

"Why didn't you come for the meeting?"

He started crying...

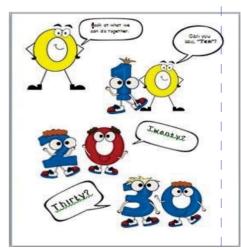
I didn't come because I have no value no one respects me and no one plays with me all the numbers have value Then the mathematician thought for a while and gave a smile and said to zero don't cry, even you have value and told:

"Number one, come and stand on the left side of zero"

"Now everybody tell me what is the value?" "Ten"!

In this year of Tolerance, this story teaches us to accept others who are different from you to respect and treat everyone fairly and when you do that your value also increases.

Shivani Rana **Maths Teacher**





STUDENT'S CREATIVITY

जानवरों में जंगल का मेला

जानवरों का जगल में मेला जगल में कुछ जानवरों का लगा हुआ था मेला । हाथी सब को बेच रहा था घूम—घूम कर केला ।। भालू बेच रहा था आलू, गीदड़ गरम पकौड़ी । लोमड़ जूते बेच रहा था, एक रुपये की जोड़ी ।। बंदर नए खिलोने लेकर लगा रहा था फेरी । लगा आवाजें गैंडा बेच रहा था सेब, मिठाई ।। जोर—शोर से बिल्ली भी तो बेच रही थी दूध मलाई । भूके—प्यासे शेर ने देखा, मन उसका ललचाया ।। दहाड़ लगाई कसके उसने, सबको खूब डराया । भगदड़ मच गई मेले में, फिर इस दहाड़ के डर से ।। सारे भागे जान बचा के, इस दहाड़ के डर से ।।

> Srijan Saxena Class- VII



Why Me?

If yes have to ask Why me?
When you're feeling really blue,
When the world has turned against you
And you don't know what to do,
When it pours colossal raindrops
And the road's winding mess,
And you're feeling more confused
That you ever could express,
Why me? God, why me?......
Sometimes God intentionally
hides his face from us so
We'll learn to live by faith rather than our feelings.

Kirtika Meena Class - VII-B

Laugh Out Loud

 $\textbf{1. Teacher-} \ \text{Give me a sentence starting with "I".}$

Rohan-Iis...

Teacher- No you must always say I am.

Rohan- Oh right! I am the ninth letter of the alphabet.

2. Judge to a Lady- What is your real age? Keep in mind you are under an oath, you can't lie to the court.

Lady-I am twenty one years and a few months.

Judge-Tell us exactly, how many months?

Lady - (reluctantly) One hundred five.

3. Teacher- What happened to your homework? **Student-** Ma'am I made it into a paper plane and someone hi-jacked it.

4. Sonia- What's the longest word in English language?

Kama1-Smiles

Sonia- How can you say that?

Kama1- It's because in smile, there is a mile between first and last letter.

5. Ma'am- How do you spell 'crocodile'?

Sam- K-R-O-K-O-D-A-I-L

Ma'am-No that's wrong.

Sam- May be its wrong but you asked me how I spell it.

6. Father- What's the most important source of finance for starting business?

Riva-"Father-in-law"

Father- Which city in the world is known for

electric?

Riya- Electricity

Divya Choudhary Class- VII



- Stephen King





Anushree Sharma

10 Tips For Better Learning

- Get organized.
- Don't skip class.
- ❖ Always write important notes.
- Talk to your teacher and ask questions.
- Never give up.
- * Revise regularly.
- Create schedule.
- Manage your time.
- Set your goals.
- Clear your doubts.



Life: A Memorable Journey

Life can be observed as many things like playing a game, an opportunity to reach our goals in life, and many others. Have you imagined it as a journey? A journey that everyone goes through.

I started this journey on 20 November 2009. It was the time when I first opened my eyes. Everything was new for me. All the faces were unknown. I didn't even know who I was. But in a great crowd, two faces rose up in my eyes. I didn't know why but I felt an affinity with them. Later I came to know they were my mom and dad. They are my everything now only because of them I reached here.



Kripa Sharma CLASS- VII

Years passed and I grew up. As I grew older my challenges increased. This journey gave me some very good friends. Both happiness and sorrow came into my life. I agree that life is not easy either. But living with happiness is the easiest way. Challenges struck too. But these challenges are also a part of life. Life is incomplete without challenges. And I like challenges.

I have reached here till now. One day I will reach up to my goal too. And I know this whole world will support me in reaching up to my goal.











Row 1(From Left To Right) - Mrs. Richa Khan, Mrs. Paramjeet Sawhney, Mrs. Madhu Chaturvedi, Mrs. Pooja Saxena, Mrs. Ekta Jain, Mrs. Kirti Rajpal, Mrs Meeta Gupta, Mrs. Anita Chaturvedi (Headmistress), Mrs. Aruna Sharma, Mrs. Tanuja Joshi, Ms. Uzma Pasha Mrs. Seema Malik, Mrs. Rekha Bhardwaj,

| **Row 2- (From Left To Right)** Mr. Ramchandra Sharma, Mr. Harjinder Singh, Mr. Lalit Rao, Mr. Lalit Kumar, | Mr. Prateek Rathore, Mr. Ravindra Yogi, Mrs. Saroj Choudhary, Ms. Suman Panchal.













Chhawani Branch



Headmistress's Note......



As. Nisha Jain (Headmistress) Bakhshi's Springdales School, Chhawani, Kota

"Mistake That We Generally Make in Our Student Life"

Student life is the part of our life that decides our future, our character and our habits. It is a dream of every student that he or she is liked, admired and praised by his or her teachers and his peers. He or she wishes to excel well in exams and score high marks. But knowingly or unknowingly we make some mistakes in our student life which become our permanent habit. The common mistake that we generally make is

Procrastination:-

Avoiding or postponing our work. Procrastination is the action of unnecessarily and voluntarily delaying or postponing something. This is what every student does. A common line "I will study from tomorrow". This line expresses that we procrastinate in our life, avoid our work and avoid our studies.

The postponing habit can become very serious in future because if we keep postponing our work or our studies. We will never be able to complete it because tomorrow never comes. We make so many promises to ourselves I'll study hard from today onwards but then we start thinking, "Exams are quite far let me use mobile or play games for sometime". These 5 minutes convert into hours if we aren't aware. So this way we waste the maximum time.

Let's see an example:-

If you are given a stick to break this is a very easy task for you. Similarly our routine study and regular completion of work, if you learn the lessons daily, your preparation will be complete during exams.

But as a bundle of sticks is given to you, is it possible to break? No. In the same manner during exams the whole book is there in front of you and if you have not started early how will you finish your course? So we should try to improve this mistake - study daily let it be a little but be regular, never postpone or give up the work. We need to do our work daily.

Here are some ways to stop Procrastination:-

- 1. Take control of the study environment. Study in a place which is free from distraction.
- 2. Make a 'To Do List'.
- 3. Establish a routine.
- 4. Self bribery--- gives yourself reward ---- If you finish the task you planned --- eat a chocolate.
- 5. Divide and conquer --- break larger tasks into smaller units --- thereby eliminating how daunting the task seems.



Teacher's Column

School in Again

Dishes out how to impress on your first day of school.

Returning to school after a long break is a daunting task that every student has to go through. The next vacation may be months away but for now, it is back to the routine of waking up early for classes. Some of us may be assigned new classes, or even new school, so the last thing you would want to do is to make a bad impression.

While there may be familiar faces, there are people, like new classmates and teachers, who may not know you. These people would judge based on first impression, so carving a positive image in their mind is extremely important, especially on the first day of school!

Besides material things non verbal actions can also attract attention and is one of the best ways to impress your peers and teachers.

- 1. Be positive.
- 2. Be prepared.
- 3. Be punctual.
- 4. Be prim and proper.
- 5. Be pro active.

Wallflowers are easily forgotten, so it is important to make a positive impression. Put on your best smile as you walk into class.

Remember that above all the only person you have to be true to, is yourself! Your personality will leave a long lasting impression.

Ms. Monika Malhotra (TGT, English)

Importance of being a Guru !!! -

'' गुरु गोविंद दोऊ खड़े काके लागू पाय बलिहारी गुरु आपकी गोविंद दियो बताए''

In the Indian tradition the "guru" has been treated as important as one's parents and regarded as the navigator to his disciples in all walks of their life. The "Advayataraka Upnishad" defines the meaning of the word 'Guru'. 'Gu' means 'darkness' and 'Ru' means 'removal' hence Guru is the one who removes the darkness or ignorance from our life and teaches us how to live a blissful life.

In today's commercial world it is very hard to find a real guru as in the schools or colleges most of the teachers are busy in just teaching the subject of concern and focus only on grades and marks of the students wherein the need is to develop the core value system in the very early stage of their lives as the children are tender like a mud pot and can be moulded in any shape.

Here is the need to act like a potter and give shape to the pot from one hand by tapping it from outside while keeping the other hand inside the pot to support it. Many of the teachers don't do this as they only focus on imparting the knowledge and skills required to achieve success, money and fame in the exterior world wherein the guru keeps his focus on making their disciples experts of the techniques of exploring the reality of their inner being which makes them independent enough to attain real peace and happiness with a sense of accomplishment.

As a teacher one must go beyond the obvious and look for the special needs of every child and find out the hidden talent and groom it with high patience with perfection. Their existence is full of variety and God has created everyone with a different purpose. What water can do fire cannot and what iron can do diamond cannot. It is said that everyone in this universe has been sent with unique capabilities to serve a larger purpose in life.

Today's teachers must learn from the examples of gurus like; Chanakya who identified the potential of a king in a very young boy called Chandragupta Maurya. We also have a very famous example of our times where the continuous pursuit for excellence by guru Ramakant Achrekar produced "Bharat Ratna" cricketer Sachin Tendulkar.

Similarly it's our duty to make our students their best version of themselves and make them understand that no success is permanent and nobody can remain a failure either. Hold their hand firmly and support them unconditionally in their journey so that they can't quit in midway. Motivate them to play to the very end and you shall see them eventually crossing the finishing line with the help of your mentoring and coaching efforts.

It is the need of the hour that we all teachers must become like the gurus and act as a catalyst to produce the disciples who become the masters of the world in every field to build a strong nation and bring back the glory of mother India.

Ms. Shweta Sharma (TGT, Science)

Scholar's Ingnenuity

Every Alphabet Speaks......

- A: Always speak the truth.
- B: Be regular and punctual.
- C: Contentment is happiness.
- D: Duty comes first.
- E: Example better than desire.
- F: First deserve than desire.
- G: Good health is above wealth.
- H:Haste makes waste.
- I: It is work that makes a workman.
- J: Join the company of good people.
- K: Killing lives is the greatest sin.
- L: Love your fellows.
- M: Man purposes, God disposes.
- N: No pain, no gain.
- O: One Flower makes no garland.
- P: Purity of mind is more precious than gold.
- Q: Question your wills.
- R: Respect yourself and you will be respected.
- S: Silence is golden.
- T: Time doesn't wait for anyone.
- U: United we stand, divided we fall.
- V: Virtue is it's reward.
- W: Wealth, war and wine may ruin you.
- X: X-Mas should remind you sacrifices of Lord Christ.
- Y: Yield not to anything against your conscience.
- Z: Zealous work fetches upliftment to mankind.

Noorjahan Mirza Class: VII B

सूरज से पहले उठने वाली हम सबको उटाने वाली हमारे सारे काम करने वाली हम सब को खुद से पहले खिलाने वाली उनकी जुबानी, मेरी कामयाबी उनकी ममता, मेरा जीवन जब भी डरावने सपने आते में हमेशा आपके पास चली आती आप मुझे प्यार से सहलाती और सुलाती आपने निभाई हम सब की जिम्मेदारी अब बारी आपके लिए कुछ कर दिखाने की, हो सुफल जो हम करें यहीं है कामना हमारी ।।

> Nishita Jain Class: VI-B

Modern Gadgets

Modern gadgets means advance technology there are different modern gadgets we use in our daily life like refrigerator, smartphones, computer etc.

These gazettes save our lot of time. The work is done rapidly by these gadgets. Some appliances or gadgets are also used in kitchen by our ladies or mother by which our work becomes easier and faster. As well as modern gadgets make easier to find information guickly and accurately for students. As we know that during the pandemic COVID-19, online studies and shopping was done with the help of gazettes. As we know the jobs and working mode was the 'work from home' with the help of technology.

In modern era we can't imagine our life without the help of gadgets.

Rudra Patel Class - VI B



Knowledge

- · Knowledge means understanding the facts, information, description and skills.
- Knowledge has a beginning but no end.
- Knowledge is a power to success.
- Knowledge makes a person powerful.
- Knowledge is necessary to all.
- A man without knowledge is unable to live in this world.
- There are very few people out there who truly understand the importance of knowledge.
- The ability to acquire knowledge pressure and pass it on to the future generation makes man powerful.
- Knowledge is important to shape our personality and perfect our behaviour and dealings with people.
- Knowledge helps in boosting confidence in individuals.
- A good knowledge help us to spend our life in a better way.
- Knowledge makes person powerful and a true winner over all. the conditions of life.

Navishta Fatima Class - V B



NATURE

A Weekly Illustrated Journal of Science "To the solid ground of Nature trusts the mild which builds for. — W. Wordsworth, THURSDAY, NOVEMBER 4, 1869

NATURE! We are surrounded and embraced by her: powerless penetrate beyond her. Without asking, or warning, she snatches us up into her circling dance, and whirls us on until we are tired, and drop from live arms. She is ever shaping new forms: what has never yet been; what has been, comes not again. Everything is new, and I the old. I get up but the old.

We live in here midst and don't know her. She is incessantly speaking to us, but betrays not her secret. We constantly act upon her, and yet have no power over her. The one thing we seem to her as it is Individuality: yet she cares nothing for individuals. She is always building up and destroying; but her workshop is inaccessible.

Her life is in her children; but where is the mother? She is the only artist; working-up the most uniform material into utter opposites; arriving, without a trace effort, at perfection, at the most exact precision, though always veiled under a certain softness.

Each essence of its own; each of her phenomena a special characterization: and get diversity us in unity. She performs a play; we know not whether she sees incessant life, development and movement are in her, but she advances not. She changes forever and ever, and rests not a moment. Quietude is inconceivable to her, and she has laid her curse upon rest. She is firm. Her steps were measured, her exceptions rare, her laws unchangeable.

Tashfa Pathan Class: VI-B

What can failure teach us?

Failure is a part of life. We learn various lessons through out the life after facing the failures. We become strong because of failures and get success in our works. If we ever fail in something don't get disappointed. Now we know the mistake. Not doing mistake again will surely give you success. Unlike knowing our mistake and not doing it again failure teaches us many other important things. It teaches us:

WHAT IS WRONG AND WHAT IS RIGHT

Failure can teach us...... when we face failure get to know what is wrong and what is right.

IT ALLOWS US TO SEEK INSPIRATION AS WELLAS INSPIRE OTHERS.

When things go wrong we find someone to guide the right path. This is when we can seek out inspiration from others to help us succeed

FAILURE TEACHES US ABOUT OURSELVES

What is important to us about ourselves, what is Important to us, how to learn, how we grow. Figuring out where to go and how to succeed can be a real self-exploration from failure.

Remember that failure teaches us more than our success. If there is success in life failure will also be there.

Jigisha Mandel Class: VII - B

A Sweet Conversation b/w Patience & Hope

Patience said, "I am difficult for you" Hope said "I'll make it easy for you ". Patience said "You can't handle me" Hope said, "I'll make you to handle it Patience said, "It's hard for you" Hope Said," I'll make it light for you." Patience said, "I'm tasteless" Hope said "I'll make it tasteful for you." Patience said, "I'll take sacrifice" Hope said "I'll give you more." Patience said "I'll make you tired". Hope said, "I'll give you energy." Patience said," I'll shed tears". Hope said, "I'll wipe them for you." Patience said, "You need hope to hear me" Hope said, "I'll be here to make you patient". Patience said, "I and hope work together." Hope said "I can't work without patience."

> Anushka Sinha Class: VII B



Concentration

Our elders always used to tell us to concentrate, to focus on our studies and career but we are unable to do so. What's the reason behind that? How to focus?

The adolescents (teenagers) usually suffer with the problem of lack concentration in class; lectures, inability to sit, to do homework or to finish our homework or plan ahead. It is not always easy for them to pay attention in class without letting their minds wander, or to ignore distractions their personal or family matters and sometimes their school matters.

But it's not their fault; it's simply because of the structure of their brain. They don't have the same mental capacities as an adult.

It badly affects their life, health and their studies. Sometimes they are unable to focus on. This somehow leads to depression, anxiety, negative thoughts, and lose their mental abilities. They just can't take their own right decisions and choose the wrong path.

It is common in adolescents as their mind is full of thoughts. They pass through many hormonal changes. But they have to control their thoughts. They should differentiate between good and bad path, right or wrong decisions of their life. Anyone can pass through such problems but as an adult, they know the adverse effect behind it but the teens do not have maturity to realize the consequences of distractions.

Here are some ways to focus on wandering mind:

- · We should set a goal which we can achieve.
- · Prepare a time table for which we can follow easily and should manage the time for studies, playing, entertainment etc.
- · Prepare a list before doing the certain tasks or revising the lesson taught to us regularly.
- · Get motivated from every situation you passed through and find a positive thing behind that.

It's not as difficult as we think. The thing is that at this age we pass through various mental and physical changes that make us difficult to focus on particular situation, but once getting out of this age we are able to handle; focus on every task, situation or condition we are in.

Aanya Singh Class: VIII

Childhood Days.

As I look back at the days of yore, I realize the days are gone..
When I used to pay of the laws, not coming Back till the evening lights were off Now that I'm 14.
Have stepped into the age of a tear Gradually I'll turn 14 with responsibilities.

Gradually I'll turn 14 with responsibilities
Presently life is no fun, I need to choose one
Either studies or play
But I have to study come what may
A sparking future stands - there!
I must start working from here to go to there

For I see myself standing As a famous person somewhere.

Varisha Ali Class: VIII

Rules of Happy Life

Life is nothing but a series of events.

Study its management and have no cause to repent.

You are its designer, lav a good architecture.

Don't forget the touch of discipline, conduct and character.

You are its engineer, show good workmanship.

Let there be motos for friendship and relationship.

You are its doctor, try to nourish and nurse.

You don't care you will empty your purse.

Rest is all about commerce and banking.

It all depends on what you have sown.

Fruits of it will come on its own.

Aradhya Raizada Class - IV A



समय की कद्र

। समय की कद्र ना करने वाला दुखी रहता है।किसी गांव में एक व्यक्ति था वह बहुत ही भला था लेकिन उसमें एक दुर्गुण था वह हर काम को टाला। । करता था।वह मानता था कि जो कुछ होता है भाग्य से होता है।एक दिन एक साधु उसके पास आया उस व्यक्ति ने साधु की बहुत सेवा की उसकी। । सेवा से खुश होकर साधु ने उसे पारस पत्थर देते हुए कहा मैं तुम्हारी सेवा से बहुत प्रसन्न हूं।तुम बहुत गरीब हो इसलिए मैं तुम्हें यह पारस पत्थर। । दे रहा हूं। 7 दिन बाद मैं इसे तुम्हारे पास से ले जाऊंगा।इस बीच तुम जितना चाहो सोना बना लेना।उस व्यक्ति ने पत्थर ले लिया साधु के जाने। । के बाद उसने अपने घर में लोहा तलाश किया।थोड़ा सा लोहा मिला तो उसने उसी का सोना बना कर बाजार में बेच दिया और कुछ सामान ले। । आया।

अगले दिन वह लोहा खरीदने के लिए बाजार गया तो उस समय लोहा महंगा मिल रहा था। यह देखकर व्यक्ति घर लौट आया 3 दिन बाद वह फिर बाजार गया तो उसे पता चला कि इस बार लोहा और भी महंगा हो गया है। इसलिए वह बिना खरीदे लौट आया उसने सोचा एक दिन तो लोहा जरूर सस्ता होगा। जब सस्ता हो जाएगा तभी खरीदेंगे। यह सोचकर उसने लोहा खरीदा ही नहीं। आठवें दिन साधु पारस पत्थर लेने के लिए उसके पास आ गया। व्यक्ति ने कहा मेरा तो सारा समय ऐसे ही निकल गया अभी तो मैं कुछ भी सोना नहीं बना पाया हूं। आप कृपया इस पत्थर को कुछ दिन और मेरे पास रहने दीजिए। लेकिन साधु राजी नहीं हुआ साधु ने कहा, "तुम्हारे जैसा आदमी जीवन में कुछ नहीं कर सकता तुम्हारी जगह कोई और होता तो अब तक पता नहीं क्या—क्या कर चुका होता। " आशय है कि जो आदमी समय पर जिस काम को नहीं करता वक्त निकलने पर उसके लिए उसको पछताना पड़ता है। इसलिए समय का सदुपयोग करते हुए हर काम समय पर पूरा कर लेना चाहिए।

अन्यथा कितने ही बहाने बनाने पड़ते हैं काम को देरी से करने पर और उसके बाद दूसरा व्यक्ति उन वहानों को स्वीकार करेगा या नहीं इस बात का संशय हमेशा बना रहता है।

> Auram Jain Class - VI- B



"The sports complex is like a dream come true for any student." It was inaugurated by our Director Mrs. Urmil Bakhshi on 15th Dec. 2021.

In this complex children are having indoor facilities of Table Tennis and Badminton. The Infrastructure has been designed by sports personalities.

Regular classes are being conducted during school hours. We nurture and train our students to enable them to compete at the state level tournaments. We are running our Table Tennis Classes in sports complex at evening hours.























STAFF PHOTO



















Sports Achievements



Kota Sahodaya Table Tennis Championship Result: U-14 Boys, U-14 Girls & U-19 Girls Gold Medal And U-17 & 19 Boys Silver Medal.



Bakhshi's Springdales Table Tennis Academy Started it's 1st Batch on 04th April 2022 with almost 30 players. The academy has national and state medalist players with professional coaches.



CBSE Cluster Table Tennis held at Jaipur, U-17 Boys Team-Gold Medal, U-17 Boys Singles - Lakshya Toshniwal- Silver Medal, U-19 Girls Team - Silver Medal, U-19 Girls Singles Divya Thakur- Bronze Medal



Sub-Junior 20 Kg. District LevelTournament (Taekwondo) Result- Gold Medal Aditi Saxena, III Std.



66° School State Table Tennis Tournament held at Jhunjhunu. Result :- U-17 Boys Team: Gold Medal U-17 Boys Individual: Lakshya Toshniwal Gold Medal



School District Level Lagori Team Result - Gold Medal



Sub-Junior 24 Kg.
District LevelTournament (Taekwondo)
Result- Bronze Medal - Hardik Sharma



Kota Sahodaya Table Tennis U-17 Girls -Gold Medal



Upvan Branch

















